



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 128 ]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 20, 2000/भाद्र 29, 1922

No. 128]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 20, 2000/BHADRA 29, 1922

भारतीय निर्यात-आयात बैंक

अधिसूचना

मुम्बई, 8 सितम्बर, 2000

सं. एकजम/पेंशन/2000.— भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 के (1981 का संख्यांक 28) की धारा 27 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 39 की उपधारा (2) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करके, भारतीय निर्यात-आयात बैंक का निदेशक मण्डल केन्द्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से, एतद्वारा निम्नलिखित विनियमावली, बनाता है, नामतः:

अध्याय I

प्रारंभिक

## 1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ

- (1) ये विनियम भारतीय निर्यात-आयात बैंक कर्मचारी पेंशन विनियमावली, 2000, कहलायेंगे;
- (2) इस विनियमावली में अन्यथा स्पष्टतः उपबंध की गई स्थिति को छोड़कर, यह शामकीय राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख को लागू होगी।

## 2. परिभाषायें

जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक इस विनियमावली में ;

- (क) 'अधिनियम' का अर्थ भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981, (1981 का संख्यांक 28) हैं;
- (ख) 'बीमांकन (एक्चुअरी)' का वही अर्थ होगा जो बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का संख्यांक 4), की धारा 2 के खंड (1) में उसके लिए निर्दिष्ट किया गया है ;
- (ग) 'परिशिष्ट' का अर्थ इस विनियमावली से संलग्न परिशिष्ट है ;
- (घ) 'औसत परिलब्धियों' का अर्थ किसी कर्मचारी द्वारा बैंक में अपनी सेवा के पिछले दस माह के दौरान आहरित औसत वेतन है;
- (ङ) 'बैंक' का अर्थ भारतीय निर्यात-आयात बैंक हैं;

- (च) 'मण्डल' का अर्थ बैंक का निदेशक मण्डल है ;
- (छ) 'बच्चों' का अर्थ कर्मचारी का ऐसा बच्चा है जो यदि सुपुत्र है तो उसकी आयु पच्चीस वर्षों से कम हो और यदि वह सुपुत्री है तो वह अविवाहित हो तथा उसकी आयु पच्चीस वर्ष से कम हो एवं "बच्चों" की अभिव्यक्ति का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा ;
- (ज) 'सक्षम प्राधिकारी' का अर्थ बैंक का अध्यक्ष और प्रबंध-निदेशक अथवा ऐसा कोई अन्य प्राधिकारी है जिसे इस विनियमावली के प्रयोजनों के लिए मण्डल द्वारा नामोद्दिष्ट किया जाए ;
- (झ) 'आचरण, अनुशासन और अपील विनियमावली' का अर्थ निर्यात-आयात बैंक अधिकारी आचरण, अनुशासन और अपील विनियमावली, 1983 है ;
- (ञ) 'अंशदान' का अर्थ बैंक द्वारा किसी कर्मचारी की ओर से निधि में जमा की गई राशि है परन्तु इसमें ब्याज के रूप में जमा की गई कोई राशि शामिल नहीं की जाएगी ;
- (ट) 'सेवानिवृत्ति की तारीख' का अर्थ उस माह की अंतिम तारीख है जिसमें कोई कर्मचारी अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर लेता है अथवा वह तारीख है जिसको बैंक द्वारा उसे सेवानिवृत्त किया जाता है अथवा वह तारीख है जिसको कर्मचारी स्वेच्छा से सेवानिवृत्त होता है या वह तारीख है जिसको किसी कर्मचारी को सेवानिवृत्त हुआ माना गया है ;
- (ठ) 'सेवानिवृत्त हुआ माना गया' का अर्थ केन्द्र सरकार द्वारा बैंक के पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबंध निदेशक या अध्यक्ष के रूप में अथवा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 के संख्यांक 5)/1980 (1980 के संख्यांक 40) की पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में निर्दिष्ट किसी बैंक अथवा किसी अन्य सरकारी वित्तीय संस्था अथवा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 के संख्यांक 23) के अधीन स्थापित भारतीय स्टेट बैंक में नियुक्ति होने पर बैंक की सेवा की समाप्ति है ;
- (ड) 'कर्मचारी' का अर्थ पूर्णकालिक कार्य के लिए बैंक की सेवा में स्थायी आधार पर नियोजित कोई ऐसा व्यक्ति है जो इस विनियमावली को स्वेच्छा से स्वीकार करता है तथा उससे नियंत्रित होता है परन्तु उसमें संविदा के आधार पर अथवा दैनिक मजदूरी के आधार पर नियोजित व्यक्ति शामिल नहीं है ;
- (ढ) किसी कर्मचारी के संबंध में 'परिवार' का अर्थ (क) पुरुष कर्मचारी के मामले में उसकी पत्नी है अथवा महिला कर्मचारी के मामले में उसका पति है, (ख) न्यायिक रूप से संबंध विच्छेद हुई पत्नी अथवा पति बशर्ते ऐसा संबंध विच्छेद जारकर्म के आधार पर प्रदान न किया गया हो तथा जीवित उत्तरजीवी व्यक्ति जारकर्म करने का दोषी न माना गया हो ; एवं (ग) ऐसा पुत्र है जिसने पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की है और ऐसी अविवाहित पुत्री है जिसने पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की है तथा इसमें विधिक रूप से गोद लिया गया पुत्र अथवा पुत्री शामिल है ;
- (ण) 'वित्तीय वर्ष' का अर्थ अप्रैल की पहली तारीख को प्रारंभ होने वाला वर्ष है ;
- (त) 'निधि' का अर्थ, विनियम 5 के अधीन बनाई गई भारतीय निर्यात-आयात बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि है ;
- (थ) 'अधिसूचित तारीख' का अर्थ वह तारीख है जिसको यह विनियमावली शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होती है ;
- (द) 'वेतन' में,
- यदि वेतन वृद्धियों की कोई अवरुद्धता (स्टेगनेशन) हो तो उसके सहित मूल वेतन ;
  - भविष्य निधि का अंशदान करने तथा महंगाई भत्ता की अदायगी करने के प्रयोजन के लिए गिने जाने वाले सभी भत्ते ;
  - यदि निर्धारित निजी भत्ते की वेतन वृद्धि का कोई घटक हो तो वह ; और
  - औद्योगिक कामगारों की, श्रृंखला 1960=100 के अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 1148 अंकों की सूचकांक संख्या तक का हिसाब लगाया गया महंगाई भत्ता शामिल है ;
- (ध) 'पेंशन' में मूल पेंशन तथा इस विनियमावली के अध्याय VI में उल्लिखित अतिरिक्त पेंशन शामिल है ;
- (न) 'पेंशनर' का अर्थ इस विनियमावली के अधीन पेंशन का पात्र कर्मचारी है ;
- (प) 'भविष्य निधि' का अर्थ भारतीय निर्यात-आयात बैंक भविष्य निधि है ;
- (फ) 'सरकारी वित्तीय संस्था' का अर्थ ऐसी वित्तीय संस्था है जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का संख्यांक 1) की धारा 4 के प्रयोजनों के लिए सरकारी वित्तीय संस्था माना गया है ।

- (भ) अर्हक (क्वालीफाइंग) सेवा का अर्थ 'पूरी' पर रहकर या अन्यथा की गई ऐसी सेवा है जिसका इस विनियमावली के अधीन पेंशन के प्रयोजन के लिए हिसाब लगाया जाएगा।
- (म) 'सेवानिवृत्त' में खंड (1) के अधीन सेवानिवृत्त हुआ माना गया कर्मचारी शामिल है ;
- (य) 'सेवानिवृत्ति' का अर्थ -
- (क) सेवा विनियमावली अथवा सेवा की शर्तों में निर्दिष्ट अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर लेने पर;
- (ख) इस विनियमावली के विनियम 28 में दिये गये उपबंधों के अनुसार स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर ;
- (ग) सेवा विनियमावली अथवा सेवा की शर्तों में निर्दिष्ट अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने से पहले बैंक द्वारा समयपूर्व सेवानिवृत्त किये जाने पर; बैंक की सेवा की समाप्ति है ;
- (र) 'सेवा की शर्तों' का अर्थ बैंक के गैर अधिकारी कर्मचारियों को दिये गये नियुक्ति पत्रों में निर्धारित और इसके बाद समय-समय पर संशोधित सेवा के निबंधन और शर्तें हैं;
- (र क) 'सेवा विनियमावली' का अर्थ अधिनियम की धारा 27 के साथ पठित धारा 39 के अधीन बनाई गई निर्यात-आयात बैंक अधिकारी सेवा विनियमावली, 1982 है;
- (र ख) 'न्यास' का अर्थ विनियम 5 के उप विनियम (1) के अधीन गठित भारतीय निर्यात-आयात बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि का न्यास है ;
- (र ग) 'न्यासी' का अर्थ विनियम 5 के उप विनियम (1) के अधीन गठित भारतीय निर्यात-आयात बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि के न्यासी हैं;
- (र घ) 'भविष्य निधि के न्यासी' का अर्थ बैंक की भविष्य निधि के न्यासी है।
- (ङ) 'अधिसूचित' शब्दों में प्रयुक्त परन्तु परिभाषित न किये गये और अधिनियम तथा सेवा विनियमावली/सेवा की शर्तों में परिभाषित नहीं किये गये शब्दों का अर्थ होगा जो उनका अधिनियम अथवा सेवा विनियमावली अथवा सेवा की शर्तों में, यथास्थिति, निर्दिष्ट किया गया क्रमशः अर्थ है।

## अध्याय II

### लागू होना और पात्रता

#### 3. लागू होना

यह विनियमावली उन कर्मचारियों पर लागू होगी जो,—

- (1) (क) 1 जनवरी, 1986 को अथवा उसके बाद बैंक की सेवा में थे परन्तु जो अधिसूचित तारीख से पहले सेवानिवृत्त हुए थे; और
- (ख) जिन्होंने अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिनों के भीतर लिखित रूप में निधि का सदस्य बनने के विकल्प का उपयोग किया है; और
- (ग) जिन्होंने खंड (ख) में निर्दिष्ट एक सौ बीस दिनों की उक्त अवधि की समाप्ति के बाद साठ दिनों के भीतर भविष्य निधि में बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण राशि पर प्रोद्भूत ब्याज सहित और छह प्रतिशत वार्षिक दर पर ऐसे और अधिक साधारण ब्याज के साथ बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण राशि वापस कर दी हो जो भविष्य निधि लेखे के निपटान की तारीख से बैंक को पूर्वोक्त राशि की वापसी की तारीख तक का उक्त राशि का ब्याज लौटा दिया हो ; अथवा
- (2) (क) जो अधिसूचित तारीख से पहले बैंक की सेवा में हैं और जिनका अधिसूचित तारीख को अथवा उसके बाद बैंक की सेवा में बना रहना जारी है; और
- (ख) जो अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिनों के भीतर निधि के सदस्य बने रहने के विकल्प का उपयोग करते हैं; और
- (ग) जो बैंक की भविष्य निधि के न्यास को इसके लिए प्राधिकृत करते हैं कि वह बैंक के सम्पूर्ण अंशदान पर प्रोद्भूत ब्याज सहित उसे विनियम 5 के अधीन निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए गठित निधि में जमा करने के लिए अंतरित कर दे; अथवा
- (3) जो अधिसूचित तारीख को अथवा उसके बाद बैंक की सेवा में कार्यभार ग्रहण करते हैं; अथवा

- (4) जो जनवरी 1986 की पहले तारीख को किसी समय के दौरान अथवा उसके बाद, बैंक की सेवा में थे और जिनकी मृत्यु सेवा में रहते हुए अथवा सेवानिवृत्ति के बाद परन्तु अधिसूचित तारीख से पहले हो गयी थी और ऐसे मामले में उनका परिवार इस विनियमावली के अधीन, यथास्थिति, पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन का हकदार होगा बशर्ते मृतक का परिवार,—
- (क) अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिनों के भीतर निधि का सदस्य बनने के विकल्प का लिखित रूप में उपयोग करे; और
- (ख) उपर्युक्त खंड (क) में निर्दिष्ट एक सौ बीस दिनों की अवधि की समाप्ति के बाद साठ दिनों के भीतर भविष्य निधि में बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण राशि पर प्रोद्भूत ब्याज सहित और छह प्रतिशत वार्षिक दर से ऐसे और अधिक साधारण ब्याज के साथ बैंक के अंशदान की सम्पूर्ण राशि वापस कर दी हो जो भविष्य निधि लेख के निपटान की तारीख से बैंक को पूर्वोक्त राशि की वापसी की तारीख तक का उक्त राशि का ब्याज बनता हो।

#### 4. भविष्य निधि में अभिदान करने का विकल्प

- (1) विनियम 3 के उप विनियम 4 में दी गई किसी बात के होते हुए भी जो कर्मचारी अधिसूचित तारीख को अथवा उसके बाद बैंक की सेवा में पैंतीस वर्ष या उससे अधिक आयु में कार्यभार ग्रहण करता है। वह अपनी नियुक्ति की तारीख से एक सौ बीस दिनों की अवधि के भीतर पेंशन के अपने अधिकार का त्याग करने का चयन कर सकता है और उसके ऐसा करने पर यह विनियमावली उस पर लागू नहीं होगी।
- (2) विनियम 3 के उप विनियम 1 के उल्लिखित विकल्प का एक बार उपयोग किये जाने पर वह अंतिम होगा।

### अध्याय III

#### निधि

#### 5. निधि का गठन

- (1) बैंक अधिसूचित तारीख के एक सौ बीस दिनों के भीतरी एक अटल न्यास के अधीन भारतीय निर्यात-आयात बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि नामक निधि का गठन करेगा।
- (2) इस निधि का एक मात्र प्रयोजन इस विनियमावली के अनुसार पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन की अदायगी की व्यवस्था करना है।
- (3) बैंक इस निधि का अंशदाता होगा और वह यह सुनिश्चित करेगा कि इसमें इतनी पर्याप्त निधियां रखी जाती हैं कि वे न्यासियों को इस विनियमावली के अधीन लाभार्थियों को देय अदायगियां करने में समर्थ बनायें।

#### 6. भविष्य निधि न्यास की देयता

भविष्य निधि न्यास, निधि के गठन के तुरंत बाद ही भारतीय निर्यात-आयात बैंक (कर्मचारी) निधि को, भविष्य निधि में प्रत्येक ऐसे कर्मचारी से संबंधित बैंक के अभिदान की संचित शेष राशि और उम्र पर ऐसे अंतरण की तारीख तक का प्रोद्भूत ब्याज अंतर्गत कर देगी जो इस विनियमावली द्वारा विनियमित है।

#### 7. निधि की बनावट

इस निधि में निम्नलिखित अंशदान और राशियां शामिल होंगी, नामतः

- (क) कर्मचारियों के वेतन के दस प्रतिशत की मासिक दर से बैंक द्वारा किया गया अंशदान;
- (ख) बैंक की भविष्य निधि के संचित अंशदानों और कर्मचारी की उसके पिछले नियोक्ता से प्राप्त भविष्य निधि की राशि और उसके ब्याज (नियोक्ता का अंशदान) के रूप में प्राप्त राशि और कर्मचारी द्वारा बैंक की भविष्य निधि न्यास में जमा की गयी राशि बशर्ते कर्मचारी भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अथवा सरकारी क्षेत्र के किसी अन्य बैंक का अथवा संस्था से बैंक की सेवा में नियोजित किया गया हो;
- (ग) ब्याज सहित बैंक के अंशदानों से बनी उस कर्मचारी द्वारा वापस की गयी राशि जो अधिसूचित तारीख के पहले सेवानिवृत्त हो गया था परन्तु जिसने इस विनियमावली के उपबंधों के अनुसार पेंशन का विकल्प चुना है ;
- (घ) निधि की राशियों और उसके ब्याज से खरीदी गयी वार्षिकियां अथवा प्रतिभूतियों में किया गया निवेश;
- (ङ) निधि की पूंजी परिसंपत्तियों की बिक्री से उत्पन्न कोई पूंजी अभिलाभ की राशि;
- (च) इस विनियमावली के विनियम 11 में दिये गये उपबंधों के अनुसार बैंक द्वारा किया गया अतिरिक्त वार्षिक अंशदान;
- (छ) निधि में जमा की गयी राशियों के निवेशों की कोई आय;
- (ज) बैंक के अंशदान और उसके ब्याज से बने अंशदान की जो राशि

किसी मृतक कर्मचारी के उस परिवार द्वारा वापस की गयी हो जिसने, इस विनियमावली में दिये गये उपबंधों के अनुसार पारिवारिक पेंशन का विकल्प चुना हो।

#### 8. न्यासियों का मण्डल

(1) न्यासियों का मण्डल कम से कम तीन और अधिक से अधिक नौ व्यक्तियों के ऐसे सदस्यों से मिलकर बनेगा जिनका निर्धारण मण्डल द्वारा किया जायेगा जिसकी नियुक्ति बैंक द्वारा की जाएगी।

(2) न्यासियों को नियुक्त करने की शक्ति बैंक को प्रदत्त की गयी है और ऐसी सभी नियुक्तियां लिखित रूप में की जाएंगी।

(3) बैंक न्यासियों में से किसी एक को न्यासियों के मण्डल के अध्यक्ष के रूप में नामित करेगा। बैंक किसी न्यासी को ऐसा वैकल्पिक अध्यक्ष होने के लिए भी नामित करेगा जो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष का कार्य करेगा।

#### 9. न्यासीगण बैंक के निदेशों का कार्यान्वयन करेंगे

न्यासीगण ऐसे सभी निदेशों का पालन करेंगे जो बैंक द्वारा निधि के उचित कार्य करने के लिए दिए जाएं।

#### 10. निधि की लेखा बहियां

(1) निधि के लेखों में उसके सभी वित्तीय लेनदेनों से संबंधित व्यौरा ऐसे रूप में दिये जाएंगे जो बैंक द्वारा निर्धारित किया जाए।

(2) प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के एक सौ अस्सी दिनों के भीतर न्यास अपना ऐसा वित्तीय विवरण तैयार करेगा जिसमें न्यास की परिसंपत्तियों और देयताओं का सामान्य लेखा दर्शाया गया हो और वह उसकी एक प्रति बैंक को अर्पित करेगा।

(3) निधि के लेखों की लेखा परीक्षा अधिनियम की धारा 24 के उपबंधों के अनुसार की जाएंगी।

#### 11. निधि की बीमांकिक जांच-पड़ताल

बैंक प्रत्येक वित्तीय वर्ष के मार्च की 31 तारीख को निधि की वित्तीय स्थिति का एक बीमांकिक द्वारा की जानेवाली जांच-पड़ताल करायेगा और ऐसा अतिरिक्त वार्षिक अंशदान करेगा जो इस विनियमावली के अधीन लाभों के अदायगी को सुरक्षित करने के लिए अर्पित हों;

परंतु यह शर्त है कि बैंक निधि की वित्तीय स्थिति की किसी बीमांकिक द्वारा की जानेवाली जांच-पड़ताल यथास्थिति उस मार्च की 31 तारीख को करायेगा जो उस वित्तीय वर्ष के तुरंत बाद आती हो जिसको निधि गठित की गयी है।

#### 12. निधि का निवेश

उक्त तारीख के बाद निधि में अंशदान की गयी अथवा प्राप्त अथवा ब्याज के रूप में प्रोद्भूत अथवा निधि में अन्यथा प्रोद्भूत सभी राशियां भारत के किसी डाक घर अथवा बैंक खाते अथवा किसी अनुसूचित बैंक में जमा की जा सकती हैं अथवा उनका उपयोग भारतीय न्यास अधिनियम 1882 (1882 का संख्यांक 2) के उपबंधों के अनुसार किया जा सकता है।

#### 13. निधि से की जानेवाली अदायगी

न्यास द्वारा लाभों की अदायगी बैंक के कर्मचारियों को प्रदान किये जाने वाले पेंशनीय लाभों को प्रदान करने अथवा बैंक के मृतक कर्मचारियों के परिवारों को पारिवारिक पेंशन प्रदान किए जाने के लिए किये जायेंगे।

### अध्याय IV

#### अर्हक सेवा

#### 14. अर्हक सेवा

इस विनियमावली में दी गई अन्य शर्तों के अधीन जिस कर्मचारी ने सेवानिवृत्ति की तारीख को अथवा जिस तारीख को उसे सेवा निवृत्त माना गया है उसको बैंक की न्यूनतम दस वर्ष की सेवा की हो, वह पेंशन के लिए अर्हता प्राप्त करेगा।

#### 15. अर्हक सेवा का प्रारंभ होना

इस विनियमावली में दिये गये उपबंधों के अधीन किसी कर्मचारी की अर्हक सेवा उस तारीख से प्रारंभ होगी जिसको वह ऐसे पद का कार्यभार ग्रहण करता है जिस पर उसे पहली बार स्थायी आधार पर नियुक्त किया जाता है;

परंतु यह शर्त है कि जिस कर्मचारी को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक ('विकास बैंक') अथवा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा अनुमोदित सरकारी क्षेत्र की किसी अन्य संस्था अथवा सरकारी क्षेत्र के किसी बैंक से बैंक की सेवा में नियोजित किया गया है। उसकी अर्हक सेवा उस तारीख से प्रारंभ होगी जिसको उसने विकास बैंक अथवा, यथास्थिति, सरकारी क्षेत्र की ऐसी संस्था अथवा सरकारी क्षेत्र के बैंक में स्थायी आधार पर कार्यभार ग्रहण किया हो;

परंतु इसके अतिरिक्त यह शर्त भी है कि नियोजित किये जाने के समय पिछले नियोक्ता से प्राप्त भविष्य निधि (नियोक्ता और कर्मचारी दोनों की भविष्य निधि की राशि) और उसके ब्याज की प्राप्त राशि एक्जिम बैंक की भविष्य निधि न्यास में जमा की गई हो।

**16. परिवीक्षाधीन सेवा का गिना जाना**

किसी बैंक में किसी पद की परिवीक्षाधीन सेवा अर्हक सेवा होगी बशर्ते उसके फलस्वरूप उसी अथवा किसी अन्य पद पर स्थायीकरण की गयी हो।

**17. छुट्टी पर व्यतीत अवधियों का गिना जाना**

बैंक की सेवा के दौरान की ऐसी सारी छुट्टी अर्हक सेवा के रूप में गिनी जायेंगी जिसके लिए छुट्टी वेतन देय है;

परंतु यह शर्त है कि वेतन की हानि वाली असाधारण छुट्टी की ऐसी स्थिति को छोड़कर, अर्हक सेवा के लिए नहीं गिनी जाएंगी जब छुट्टी स्वीकृत करने वाले प्राधिकारी ने यह निदेश दिया हो कि संपूर्ण सेवा के दौरान बारह महीनों से अनाधिक होने वाली छुट्टी, पेंशन सहित सभी प्रयोजन के लिए सेवा के रूप में गिनी जा सकती है।

**18. एक वर्ष से कम की सेवा की खंडित अवधि**

यदि किसी कर्मचारी की सेवा की अवधि में एक वर्ष से कम की सेवा की खंडित अवधि शामिल है और यदि ऐसी खंडित अवधि छ महीनों से अधिक है तो उसे एक वर्ष की अवधि माना जायेगा और यदि ऐसी खंडित अवधि छह महीनों अथवा उससे कम की है तो उसे छोड़ दिया जाएगा; परंतु यह शर्त है कि किसी कर्मचारी के पेंशन का पात्र होने के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा का निर्धारण करने के लिए इस विनियम के उपबंध को लागू नहीं किया जाएगा।

**19. प्रशिक्षण पर व्यतीत की गयी अवधि का गिना जाना**

बैंक में किसी कर्मचारी की नियुक्ति के तुरंत पहले उसके द्वारा प्रशिक्षण पर व्यतीत की गई अवधि अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी।

**20. तत्कालीन बैंक में पिछली सेवा का गिना जाना**

जो कर्मचारी किसी अन्य बैंक अथवा किसी अन्य बैंक के इस बैंक में विलय अथवा समामेलन के कारण स्थायी रूप से अंतरित किया गया है और जिस पर यह विनियम लागू होते हैं उसके मामले में ऐसे कर्मचारी द्वारा किसी अन्य बैंक में स्थायी आधार पर की गयी यदि कोई लगातार सेवा हो तो और उसके बाद, यथास्थिति, किसी व्यवधान के बिना स्थायी नियुक्ति हुई हो अथवा उस बैंक के अधीन स्थायी हैसियत से की गयी निरंतर सेवा अर्हक सेवा मानी जायेगी ;

परंतु यह शर्त है कि इस विनियम में दी गई कोई भी बात ऐसे कर्मचारी पर लागू नहीं होगी जो संविदा के आधार पर अथवा दैनिक मजदूरी के आधार पर नियुक्त किया गया है।

**21. निलंबन की अवधि**

जांच के विचाराधीन रहने वाले किसी कर्मचारी की निलंबन की अवधि अर्हक सेवा के लिए वहां गिनी जाएगी जहां ऐसी जांच के समाप्त होने पर उसे पूर्णतः दोष मुक्त कर दिया गया हो अथवा निलंबन को पूर्णतः अनुचित माना गया हो तथा अन्य मामलों में निलंबन की अवधि तब तक अर्हक सेवा के रूप में नहीं गिनी जाएगी जब तक कि सेवा विनियमावली अथवा आचरण, अनुशासन और अपील विनियमावली अथवा ऐसे मामलों को नियंत्रित करनेवाली सेवा की शर्तों के अधीन आदेश पारित करने वाले सक्षम प्राधिकारी ने स्पष्टतः जांच के समय यह घोषणा कर दी हो की ऐसी सेवा उस सीमा तक अर्हक सेवा गिनी जाएगी जिसे ऐसा प्राधिकारी घोषित करे।

**22. सेवा का समपहरण**

(1) बैंक की सेवा से किसी कर्मचारी के त्यागपत्र अथवा उसकी बर्खास्तगी अथवा हटाया जाना अथवा समाप्ति में उसकी पूरी पिछली सेवा का समपहरण निहित होगा और इसके फलस्वरूप वह पेंशन संबंधी लाभों का पात्र नहीं होगा।

(2) निम्नलिखित मामलों को छोड़ कर किसी कर्मचारी की सेवा के व्यवधान में उसकी पिछली सेवा का समपहरण निहित है, नामतः

(क) अनुपस्थिति की प्राधिकृत छुट्टी;

(ख) ऐसा निलंबन जिसके तुरंत बाद बहाली हुई हो भले ही वह उसी अथवा किसी अलग पद पर क्यों न हुई हो अथवा जहाँ कर्मचारी की मृत्यु हो गयी हो अथवा जहाँ उसे सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी गई हो अथवा जहाँ उसने निलंबन के अधीन रहते हुए अनिवार्य सेवा की आयु प्राप्त कर ली हो;

(ग) सरकार अथवा बैंक के नियंत्रण के अधीन किसी स्थापना की अनर्हक सेवा का अंतरण बशर्ते ऐसे अंतरण का आदेश सक्षम प्राधिकारी द्वारा जनहित में दिया गया हो;

(घ) अंतरण के समय एक पद से दूसरे पद पर कार्यभार ग्रहण करने का समय।

(3) उप विनियम (2) में दी गयी किसी बात के होते हुए भी नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी आदेश से छुट्टी के बिना हुई अनुपस्थिति की अवधियों को भूतलक्षी प्रभाव से असाधारण छुट्टी के रूप में रूपांतरित कर सकता है।

(4) (क) सेवा अभिलेख में इसके विपरीत किसी विशेष संकेत के अभाव में किसी कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा की दो अवधियों के बीच के व्यवधान को अपने आप माफ हुआ माना जाएगा और व्यवधान पूर्व की सेवा को अर्हक सेवा के रूप में माना जाएगा;

(ख) खंड (क) की कोई बात त्याग-पत्र, बर्खास्तगी अथवा सेवा से हटाये जाने के कारण हुए व्यवधान पर लागू नहीं होगी।

**23. विदेशी सेवा में प्रतिनियुक्ति की अवधि**

संयुक्त राष्ट्र अथवा किसी अन्य विदेशी निकाय अथवा संगठन की विदेशी सेवा में प्रतिनियुक्त कोई कर्मचारी अपने विकल्प से—

- (क) अपने विदेशी सेवा के लिए पेंशन अंशदान अदा कर सकता है और इस विनियमावली के अधीन उक्त सेवा को अर्हक सेवा के रूप में गिन सकता है; अथवा
  - (ख) विदेशी नियोक्ता के नियमों के अधीन स्वीकार्य सेवा निवृत्ति के लाभ प्राप्त कर सकता है और उक्त सेवा को इस विनियमावली के अधीन अर्हक सेवा के रूप में नहीं गिन सकता है :
- परंतु यह शर्त है कि जहाँ कोई कर्मचारी खंड (ख) के लिए विकल्प देता है वहाँ सेवा निवृत्ति के लाभ उसे भारत में रुपयों में उस तारीख से तथा ऐसी विधि से देय होंगे जिसे बैंक आदेश से निर्दिष्ट करे।

**24. सैनिक सेवा**

जिस कर्मचारी ने बैंक में नियुक्ति से पहले सैनिक सेवा की है वह सैनिक पेंशन आहरित करना जारी रखेगा बशर्ते ऐसी कोई सैनिक पेंशन हो तथा ऐसे कर्मचारी द्वारा की गयी सैनिक सेवा पेंशन की अर्हक सेवा के रूप में नहीं गिनी जाएगी।

**25. भारत के किसी संगठन में प्रतिनियुक्ति की अवधि**

किसी कर्मचारी की भारत के किसी अन्य संगठन में प्रतिनियुक्ति की अवधि अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी:

परंतु यह शर्त है कि जिस संगठन में उसकी प्रतिनियुक्ति हुई है वह अथवा कर्मचारी इस विनियमावली के विनियम 7 के उप विनियम (क) में निर्दिष्ट दरों से अथवा प्रतिनियुक्ति के समय बैंक द्वारा निर्धारित दरों में से जो दरें अधिक हों उन पर पेंशन संबंधी अभिदान बैंक को अदा करेगा।

**26. विशेष परिस्थितियों में अर्हक सेवा का परिवर्धन**

कोई भी कर्मचारी इसका पात्र होगा कि वह अधिवर्धिता पेंशन की अपनी अर्हक सेवा के लिए (परंतु पेंशन की किसी अन्य अर्हक सेवा के लिए नहीं) ऐसी वास्तविक अवधि का परिवर्धन करेगा जो उसकी सेवा की अवधि के एक चौथाई से अनधिक की वास्तविक अवधि हो अथवा जो ऐसी वास्तविक अवधि हो जिससे भर्ती के समय उसकी आयु सीधी भर्ती के लिए बैंक द्वारा निर्दिष्ट अधिकतम आयु अथवा पाँच वर्षों अवधि इनमें से जो भी कम हो उसका परिवर्धन कर सकता है। बशर्ते जिस सेवा अथवा पद पर कर्मचारी नियुक्त किया गया है वह निम्नलिखित ऐसे पदों में से एक हो—

- (क) जिसके लिए वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी अथवा व्यावसायिक क्षेत्रों स्नातकोत्तर अनुसंधान अथवा विशेषज्ञ योग्यता अथवा अनुभव अनिवार्य हैं; और
- (ख) जिसके लिए ऐसी आयु के उम्मीदवार सामान्यता नियुक्त किये जाते हैं जिनकी आयु सीधी भर्ती के लिए निर्दिष्ट अधिकतम आयु सीमा से अधिक होती है; और
- (ग) जिस पद के लिए बैंक द्वारा निर्धारित उपर्युक्त अधिकतम आयु सीमा में उसके अधिक योग्यतायें अथवा अनुभव रखने के कारण आयु को छूट दी गयी थी :

परंतु यह शर्त है कि यह रियायत किसी कर्मचारी को तब तक स्वीकार्य नहीं होगी जब तक उसकी वास्तविक अर्हक सेवा उस समय दस वर्षों से कम न हो, जब वह बैंक की सेवा छोड़ता है:

इसके अतिरिक्त यह शर्त है कि यह रियायत तब स्वीकार्य होगी जब उक्त सेवा अथवा पद से संबंधित भर्ती के नियमों में इसका विशिष्ट प्रावधान हो कि ऐसी सेवा अथवा पद इस प्रकार का है कि जिसमें इस विनियम के लाभ मिलते हैं:

परंतु यह शर्त भी है कि इस विनियम का लाभ जिस किसी सेवा अथवा पद के लिए प्राप्त होता है उससे संबंधित भर्ती के नियम केन्द्र सरकार के अनुमोदन से बनाये जाएंगे।

**अध्याय V****पेंशन की श्रेणियाँ****27. अधिवर्धिता पेंशन**

अधिवर्धिता पेंशन ऐसे कर्मचारी को प्रदान की जाएगी जो सेवा विनियमावली अथवा सेवा की शर्तों में निर्दिष्ट अधिवर्धिता की आयु प्राप्त कर लेने पर सेवानिवृत्त हुआ है।

**28. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पेंशन**

- (1) कोई भी कर्मचारी बीस वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर लेने के बाद तथा नियुक्तकर्ता अधिकारी को लिखित रूप में कम से कम तीन महीनों की सूचना देने के बाद किसी भी समय सेवा से सेवानिवृत्त हो सकता है:

परंतु यह शर्त है कि यह उप विनियम ऐसे कर्मचारी पर लागू नहीं होगा जो प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जो विदेशों में अध्ययन छुट्टी पर है तथा जब तक उसके भारत में स्थानांतरित होने अथवा लौटने के बाद उसने भारत में अपने पद का कार्यभार ग्रहण न कर लिया हो और उसने कम से कम एक वर्ष की अवधि की सेवा की हो :

परन्तु इसके अतिरिक्त यह शर्त है कि यह उप विनियम ऐसे कर्मचारी पर लागू नहीं होगा जो किसी स्वायत्त निकाय अथवा सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अथवा कंपनी अथवा संस्था अथवा निकाय में स्थायी रूप से नियोजित किये जाने के लिए सेवा से सेवा निवृत्ति की मांग करता है भले ही ऐसा उक्त निकाय, उपक्रम, कंपनी, संस्था निगमित हो अथवा न हो जिसमें स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की मांग करने के समय वह प्रतिनियुक्ति पर हो :

यह भी शर्त है कि उप विनियम ऐसे किसी कर्मचारी पर लागू नहीं होगा जिसे विनियम दो के खंड (1) के अनुसार सेवानिवृत्त हुआ मान लिया गया है।

(2) उप विनियम (1) के अधीन स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की दी गयी सूचना के लिए नियुक्तकर्ता प्राधिकारी की स्वीकृति अपेक्षित होगी:

परन्तु यह शर्त है कि जहां नियुक्तकर्ता प्राधिकारी उक्त सूचना में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले सेवानिवृत्ति की अनुमति प्रदान करने के लिए इन्कार नहीं करता वहां सेवानिवृत्ति उक्त अवधि की समाप्ति के तारीख से प्रभावी हो जाएगी।

(3) (क) उप विनियम (1) में उल्लिखित कर्मचारी नियुक्तकर्ता प्राधिकारी से लिखित रूप में इसके कारण देते हुए यह अनुरोध कर सकता है कि नियुक्तकर्ता प्राधिकारी तीन महीनों से कम की सेवानिवृत्ति की सूचना स्वीकार करें;

(ख) खंड (क) के अधीन अनुरोध को प्राप्त होने पर नियुक्तकर्ता प्राधिकारी उप विनियम (2) के उपबंधों के अधीन तीन महीनों के नोटिस की अवधि को कम करने के अनुरोध पर गुण-दोष के आधार पर विचार कर सकता है और यदि वह इससे संतुष्ट है कि सूचना की अवधि का कम किया जाना किसी प्रशासनिक असुविधा का कारण नहीं होगा तो नियुक्तकर्ता प्राधिकारी इस शर्त पर तीन महीनों की सूचना की अपेक्षा में छूट दे सकता है कि कर्मचारी तीन महीनों की सूचना की समाप्ति से पहले अपनी पेंशन के एक भाग के रूपांतरण के लिए आवेदन नहीं करेगा।

(4) जिस कर्मचारी ने इस विनियम के अधीन सेवानिवृत्त होने का चयन किया है और जिसने नियुक्तकर्ता अधिकारी को इस आशय की सूचना दी है उसे ऐसे प्राधिकारी के विशिष्ट अनुमोदन को छोड़कर अपनी सूचना वापस लेने से रोका जाएगा:

परन्तु यह शर्त है कि वापस लेने का ऐसा अनुरोध उसकी सेवानिवृत्ति की उद्दिष्ट तारीख से पहले किया जाएगा।

(5) इस विनियम के अधीन सुरक्षित रूप से सेवानिवृत्त होने वाले किसी कर्मचारी की अर्हक सेवा की अवधि में पांच वर्षों से अनाधिक अवधि की वृद्धि इस शर्त के अधीन की जाएगी की ऐसे कर्मचारी द्वारा की गयी अर्हक सेवा किसी भी स्थिति में तैंतीस वर्षों से अधिक नहीं होगी और वह उसे अधिवर्षिता की तारीख से आगे नहीं ले जाएगी।

(6) इस विनियम के अधीन सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की पेंशन इस विनियमबली के विनियम (2) के खंड (घ) के अधीन यथापरिभाषित औसत परिलब्धियों पर आधारित होगी और उसकी अर्हक सेवा में पांच वर्ष से अनाधिक की वृद्धि उसे इसका पात्र नहीं बनाएगी की उसकी पेंशन का हिसाब लगाए जाने के प्रयोजन लिए वेतन का कोई कल्पित निर्धारण किया जाए।

### 29. अशक्तता—पेंशन

(1) अशक्तता पेंशन किसी ऐसे कर्मचारी को प्रदान की जा सकती है—

(क) जिसने न्यूनतम दस वर्षों की सेवा की हो; और

(ख) जो किसी ऐसी शारीरिक अथवा मानसिक दुर्बलता के कारण अधिसूचित तारीख को अथवा उससे पहले सेवा से सेवा निवृत्त होता है जो उसे सेवा के लिए स्थायी रूप से अक्षम बना देती है।

(2) अशक्तता पेंशन का आवेदन करने वाला कर्मचारी बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी का अक्षमता का डाक्टरी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा।

(3) जहां बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी ने यह घोषित किया हो कि कर्मचारी उस सेवा से कम मेहनत स्वरूप की और अधिक सेवा करने की लिये योग्य है जिसे वह करता रहा है तो उसे निचले पद पर नियुक्त किया जा सकता है बशर्ते कि वह इस प्रकार नियुक्त किये जाने के लिए सहमत हो और यदि उसे निचले पद पर नियोजित करने का भी कोई माधन न हो तो उसे अशक्तता पेंशन के लिए स्वीकार किया जा सकता है।

(4) सेवा की अक्षमता का कोई भी डाक्टरी प्रमाण पत्र जब तक नहीं दिया जाएगा जब तक आवेदक यहां दर्शाने वाला पत्र प्रस्तुत नहीं करता कि सक्षम प्राधिकारी को आवेदक के बैंक के द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का इरादा मालूम है।

(5) बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी की आपूर्ति भी उस सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जाएगी, जिसमें आवेदक नियोजित है तथा उसके साथ एक ऐसे विवरण की भी आपूर्ति की जाएगी जिससे अधिकृत अविलेखों के अनुसार आवेदक की आयु का होना प्रतीत होता हो।

### 30. अनुकंपा-भत्ता

(1) जो कर्मचारी सेवा से बर्खास्त किया गया है अथवा हटाया गया है अथवा जिसकी सेवा समाप्त की गयी है वह अपनी पेंशन का समपहरण कर देगा :



परन्तु यह शर्त है कि उसे सेवा से बर्खास्त करने अथवा हटाने अथवा उसकी सेवा समाप्त करने के सक्षम प्राधिकारी से ऊपर का प्राधिकारी एक ऐसा अनुकंपा भत्ता स्वीकृत कर सकता है जो पेंशन के ऐसे दो तिहाई (2/3) भाग से अधिक नहीं होगा जो उसके बर्खास्तगी, हटाये जाने अथवा सेवा की समाप्ति की तारीख तक की गयी अर्हक सेवा के आधार पर उसे अन्यथा स्वीकार्य हुआ होता बशर्ते—

- (i) ऐसी बर्खास्तगी, हटाया जाना अथवा सेवा की समाप्ति अधिसूचित तारीख को अथवा बाद हुई हो; और
- (ii) मामला विशेष विचार योग्य के योग्य हो।

(2) उप विनियम (1) के परन्तुक के अधीन स्वीकृत अनुकंपा भत्ता इस विनियमावली के विनियम 35 के अधीन दिये न्यूनतम पेंशन की राशि से कम नहीं होगा।

### 31. समय पूर्व सेवानिवृत्ति की पेंशन

सेवानिवृत्ति पूर्व की पेंशन किसी ऐसे कर्मचारी को मंजूर की जा सकती है—

- (क) जिसने न्यूनतम दस वर्षों की सेवा की हो।

(ख) जो जनहित में अथवा सेवा विनियमावली अथवा सेवा की शर्तों में निर्दिष्ट किसी अन्य कारण से समय पूर्व सेवानिवृत्त होने के बैंक के आदेशों के कारण सेवा से निवृत्त होता है बशर्ते वह उक्त तारीख को अधिवर्षिता संबंधी ऐसी पेंशन का अन्यथा हकदार था।

### 32. अनिवार्य सेवानिवृत्ति की पेंशन

(1) जो कर्मचारी दंड के रूप में अथवा आचरण, अनुशासन और अपील विनियमावली अथवा सेवा की शर्तों के अनुसार अनुसूचित तारीखों अथवा उसके बाद सेवा से अनिवार्यता सेवानिवृत्त किया जाता है। उसे उस अधिकारी से ऊपर के अधिकारी द्वारा ऐसी दर से पेंशन मंजूर की जा सकती है जो ऐसा दंड लगाने के लिए सक्षम प्राधिकारी हो जो दर उसे उसकी अनिवार्य सेवानिवृत्ति की तारीख को स्वीकार्य पूरी पेंशन के दो तिहाई से कम न हो और पूरी पेंशन से अधिक न हो बशर्ते की वह उक्त तारीख को अधिवर्षिता प्राप्त होने पर ऐसी पेंशन का अन्यथा हकदार था।

(2) जहां कहीं भी किसी कर्मचारी के मामले में सक्षम प्राधिकारी ऐसा आदेश पारित करता है (चाहे वह मूल अपील अथवा समीक्षा की शक्तियों का प्रयोग करके क्यों न पारित किया गया हो) जिसमें इस विनियमावली के अधीन स्वीकार्य पूरी पेंशन से कम पेंशन प्रदान की गयी हो वहां ऐसा आदेश पारित करने से पहले मण्डल से परामर्श किया जाएगा।

(3) यथास्थिति, विनियम (1) अथवा विनियम (2) के अधीन प्रदान की गयी अथवा मंजूर की गयी पेंशन सात सौ बीस रुपये मासिक की राशि से कम नहीं होगी।

### 33. जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 और अधिसूचित तारीख के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं अथवा जिनकी मृत्यु हुई है उनके लिए पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन की अदायगी—

(1) जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 और अधिसूचित तारीख के बीच बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त हुआ है वह केवल अधिसूचित तारीख से लागू पेंशन का पात्र होगा।

(2) विनियम 3 के उप विनियम (4) में दिये गये उपबंधों से नियंत्रित मृत कर्मचारी का परिवार अधिसूचित तारीख से लागू पारिवारिक पेंशन का पात्र होगा।

## अध्याय VI

### पेंशन की दर

#### 34. पेंशन की राशि

(1) जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 और अधिसूचित तारीख के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं उनसे संबंधित मूल पेंशन और अतिरिक्त पेंशन परिशिष्ट-I में दिए गये सूत्र के अनुसार अद्यतन की जाएगी।

(2) सेवा विनियमावली के उपबंधों अथवा सेवा की शर्तों के अनुसार कम से कम तैंतीस वर्षों की अर्हक सेवा पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के मामले में मूल पेंशन की राशि का हिसाब औसत परिलब्धियों के पचास प्रतिशत से लगाया जाएगा।

(3) (क) अतिरिक्त पेंशन किसी कर्मचारी द्वारा अपनी सेवा के पिछले दस महीनों के दौरान आहरित भत्तों की औसत राशि का पचास प्रतिशत होगी;

(ख) अतिरिक्त पेंशन की राशि पर कोई महंगाई राहत अदा नहीं की जाएगी।

**स्पष्टीकरण :** इस उप विनियम के प्रयोजन के लिए “भत्तों” का अर्थ ऐसे भत्ते हैं जो भविष्य निर्धि में अंशदान करने की सीमा तक के लिए स्वीकार्य हैं।

(4) उपर्युक्त (2) और (3) विनियम के अनुसार हिसाब लगाई गई पेंशन का सकल जोड़ उस न्यूनतम पेंशन के अधीन होगा जो इस विनियमावली में निर्दिष्ट की गयी है।

(5) जिस कर्मचारी ने इस विनियमावली के विनियम 40 के उपबंधों के अनुसार अपने पेंशन का स्वीकार्य भाग रूपांतरित करा लिया है वह केवल पेंशन की बकाया राशि ही मासिक रूप से प्राप्त करेगा।

(6) (क) तैंतीस वर्षों की अर्हक सेवा पूरी करने से पहले परन्तु दस वर्षों की अर्हक सेवा पूरी कर लेने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के मामले में पेंशन की राशि उप विनियम (2) और (3) के अधीन स्वीकार्य पेंशन की राशि के अनुपात में होगी और किसी भी स्थिति में पेंशन की राशि इस विनियमावली में निर्दिष्ट न्यूनतम पेंशन की राशि से कम नहीं होगी।

(ख) इस विनियमावली में दी गयी किसी बात के होते हुए भी अशक्तता पेंशन की राशि उस पारिवारिक पेंशन की सामान्य दर से कम नहीं होगी जो सेवा में रहते हुए कर्मचारी की मृत्यु होने की स्थिति में उसके परिवार को देय हुई होती।

(7) इस विनियम के अधीन अंततः निर्धारित पेंशन की राशि पूर्ण रूपों में व्यक्त की जाएगी और जहां पेंशन में रुपये का अंश शामिल होगा वहां उसे अगले अधिक रूपों में पूर्णांकित किया जाएगा।

### 35. न्यूनतम पेंशन

पेंशन की न्यूनतम राशि सात सौ बीस रुपये मासिक होगी।

### 36. महंगाई राहत

(1) मूल पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन अथवा अशक्तता पेंशन अथवा अनुकंपा पर महंगाई राहत परिशिष्ट 2 में निर्दिष्ट दरों के अनुसार प्रदान की जाएगी।

(2) महंगाई राहत मूल पेंशन के रूपांतरणों के बाद भी उसकी पूरी राशि पर दी जाएगी।

### 37. औसत परिलब्धियों की दस महीनों की अवधि का निर्धारण

(1) औसत परिलब्धियों के प्रयोजन के लिए पूर्ववर्ती दस महीनों की अवधि का हिसाब सेवानिवृत्ति की तारीख से लगाया जाएगा।

(2) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अथवा अवधि पूर्व सेवानिवृत्ति के मामले में औसत परिलब्धियों के प्रयोजन के लिए पूर्ववर्ती दस महीनों की अवधि का हिसाब उस तारीख से लगाया जाएगा जिस तारीख को कर्मचारी स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त होता है अथवा बैंक द्वारा समय पूर्व सेवानिवृत्त कर दिया जाता है।

(3) बर्खास्तगी अथवा हटाया जाना अथवा अनिवार्य सेवानिवृत्ति अथवा सेवा की समाप्ति के मामले में औसत परिलब्धियों के प्रयोजन के लिए पूर्ववर्ती दस महीनों की अवधि का हिसाब उस तारीख से लगाया जाएगा जिसको कर्मचारी बर्खास्त किया गया है अथवा उसे सेवा से हटाया गया है अथवा उसे अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किया गया है अथवा बैंक द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी गयी है।

(4) यदि सेवा के पिछले दस महीनों के दौरान कोई कर्मचारी वेतन की हानिवाली असाधारण छुट्टी पर ड्यूटी से अनुपस्थित रहा है अथवा निलंबन के अधीन रहा है तथा ऐसी असाधारण छुट्टी अथवा निलंबन की अवधि सेवा के लिए न गिनी गई हो तो पूर्वोक्त असाधारण छुट्टी अथवा निलंबन की अवधि को, औसत परिलब्धियों का हिसाब लगाने के लिए नहीं गिना जाएगा और दस महीनों के पहले की बराबर की अवधि शामिल की जाएगी।

## अध्याय VII

### पारिवारिक पेंशन

#### 38. पारिवारिक पेंशन

(1) इस विनियमावली में दिये गये उपबंधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जब किसी कर्मचारी की—

(क) लगातार एक वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद मृत्यु हो जाती है, अथवा

(ख) एक वर्ष की लगातार सेवा पूरी करने के पहले मृत्यु हो जाती है तब बशर्तें की संबंधित कर्मचारी की सेवा अथवा पद पर अपनी नियुक्ति से ठीक पहले बैंक द्वारा चिकित्सा अधिकारी द्वारा जांच की गयी थी और उसे बैंक में नियोजन के लिए योग्य घोषित किया गया था; अथवा

(ग) सेवा से निवृत्त होने के बाद कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है और जहां वह मृत्यु की तारीख को पेंशन अथवा अनुकंपा भत्ता प्राप्त कर रहा था—

वहाँ मृत कर्मचारी का परिवार ऐसे पारिवारिक पेंशन का पात्र होगा जिसकी राशि परिशिष्ट III के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

(2) पारिवारिक पेंशन की राशि मासिक दरों में निश्चित की जाएगी और उसे पूर्ण रूपों में व्यक्त किया जाएगा और जहाँ पारिवारिक पेंशन में रुपया का अंश रहता है वहाँ उसे अगले अधिक रुपये में पूर्णकृत किया जाएगा :

परन्तु यह शर्त है कि इन विनियमावली के अधीन निर्धारित अधिकतम से अधिक की पारिवारिक पेंशन किसी भी हालत में नहीं दी जाएगी।

(3)(क) (i) जहाँ कोई कर्मचारी कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 (1923 का संख्यांक 8) से नियंत्रित नहीं होता और वह कम से कम 7 वर्षों की लगातार सेवा करने के बाद सेवा में रहते हुए मृत हो जाता है वहाँ उसके परिवार को देय पारिवारिक पेंशन की दर अंतिम आहरित वेतन के पचास प्रतिशत के अथवा उप-विनियम (1) के अधीन स्वीकार्य पारिवारिक पेंशन की दुगुनी राशि में जो भी कम होगी उसके पचास प्रतिशत के बराबर होगी और इस प्रकार स्वीकार्य राशि कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के बाद की तारीख से 7 वर्षों की अवधि अथवा उस तारीख तक की अवधि के लिए देय होगी जिसको मृत कर्मचारी ने तब पैंसठ वर्ष की आयु पूरी कर ली होती जब वह जीवित रहा होता। इन अवधियों में से जो भी अवधि कम होगी उसके लिए उक्त पेंशन देय होगी;

(ii) सेवा निवृत्ति के बाद किसी कर्मचारी की मृत्यु होने की स्थिति में इस उप-विनियम के खंड (क)(i) के अधीन यथा-निर्धारित पारिवारिक पेंशन सात वर्षों की अवधि अथवा उस तारीख तक की अवधि जिसको मृत कर्मचारी सेवा निवृत्त तब हुआ होता जब जीवित रहने पर उसने पैंसठ वर्ष की आयु पूरी कर ली होती। इन दोनों अवधियों में से जो अवधि कम होगी उसके लिए पेंशन देय होगी।

(ख) (i) जहाँ कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 (1923 के संख्यांक 8) से नियंत्रित कोई कर्मचारी कम से कम सात वर्षों की लगातार सेवा कर लेने के बाद सेवा में रहते हुए मृत हो जाता है वहाँ उसके परिवार को देय पारिवारिक पेंशन, अंतिम आहरित वेतन के पचास प्रतिशत अथवा उप-विनियम (1) के अधीन स्वीकार्य पारिवारिक पेंशन के डेढ़ गुने में से जो भी कम हो उसके बराबर होगी;

(ii) उपखंड (i) के अधीन इस प्रकार निर्धारित की गयी पारिवारिक पेंशन खंड (क) में उल्लिखित अवधि के लिए देय होगी;

(ग) खंड (क) में उल्लिखित अवधि की समाप्ति के बाद उक्त खंड अथवा खंड (ख) के अधीन पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वाला परिवार उप-विनियम (1) के अधीन स्वीकार्य दर से पारिवारिक पेंशन का पात्र होगा।

(4) इन विनियमावली में दी गयी किसी बात के होते हुए भी जहाँ किसी मृत कर्मचारी का परिवार विनियम 3 के उप-विनियम (4) के अनुसार पेंशन का विकल्प चुनता है वहाँ मृत कर्मचारी का ऐसा परिवार विनियमावली के अधीन पारिवारिक पेंशन का पात्र होगा।

**39. पारिवारिक पेंशन की अदायगी की अवधि :** (1) जिस अवधि के लिए पारिवारिक पेंशन देय होगी वह नीचे लिखे अनुसार होगी :

(क) विधवा अथवा विधुर के मामले में मृत्यु अथवा पुनर्विवाह की तारीख में से जो भी पहले हो उस तारीख तक;

(ख) पुत्र के मामले में तब तक जब तक वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता; और

(ग) अविवाहित पुत्री के मामले में जब तक वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेती अथवा जब तक वह विवाहित नहीं हो जाती, इनमें से जो भी अवधि पहले हो :

परन्तु यह शर्त है कि यदि किसी कर्मचारी का पुत्र अथवा पुत्री किसी विसंगति (डिस ऑर्डर) अथवा मानसिक असमर्थता से ग्रसित हो अथवा वह शारीरिक रूप से इतना (इतनी) विकलांग अथवा असमर्थ हो कि वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद भी जीवन यापन करने के लिए अर्जन करने में असमर्थ हो तो ऐसे पुत्र अथवा पुत्री को उसके जीवनभर निम्नलिखित शर्तों के अधीन पारिवारिक पेंशन देय होगी, नामतः

(i) यदि ऐसा पुत्र या पुत्री कर्मचारी के दो या दो से अधिक बच्चों में से एक है तो पारिवारिक पेंशन प्रारंभिक रूप से अवयस्क बच्चे को उप-विनियम (1) के खंड (ड) में निर्धारित क्रम से तब तक देय होगी जब तक वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता और इसके बाद पारिवारिक पेंशन उस पुत्र अथवा पुत्री के पक्ष में फिर से लागू की जाएगी जो विसंगति अथवा मानसिक असमर्थता से ग्रसित है अथवा जो शारीरिक रूप से विकलांग अथवा असमर्थ है तथा वह उसे उसकी जीवनभर देय होगी;

(ii) यदि विसंगति अथवा मानसिक असमर्थता से ग्रस्त ऐसे एक से अधिक बच्चे हों तो पारिवारिक पेंशन उनके जन्म के क्रम से अदा की जाएगी तथा उनमें सबसे छोटा बच्चा पारिवारिक पेंशन उसके बाद ही प्राप्त करेगा जब उससे ठीक बड़ा बच्चा उसके बच्चे का पेंशन के लिए पात्र होना बंद हो जाता है :

परंतु यह शर्त है कि जहाँ ऐसे दो बच्चों को पारिवारिक पेंशन दिये हैं वहाँ वह उप-विनियम (1) के खंड (च) में निर्धारित विधि से अदा की जाएगी;

- (iii) ऐसे पुत्र अथवा पुत्री को पारिवारिक पेंशन एक अभिभावक के माध्यम से अदा की जाएगी मानो की वह एक अवयस्क हो और इसका अपवाद शारीरिक रूप से विकलांग ऐसा पुत्र अथवा ऐसी पुत्री का मामला होगा, जिसने वयस्कता आयु प्राप्त कर ली हो;
- (iv) किसी ऐसे पुत्र या पुत्र को जीवन्मभर की पारिवारिक पेंशन की अनुमति देने से पहले सक्षम प्राधिकारी इसका संतोष कर लेगा कि विकलांगता ऐसे स्वरूप की है जो उसे अपना जीवन-यापन करने के लिए अर्जन करने से रोकती है और इसका साक्ष्य बैंक द्वारा अनुमोदित किसी चिकित्सा अधिकारी से ऐसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा जिनमें यथा संभव यह निर्धारित किया गया हो कि बच्चे की ठीक-ठीक मानसिक अथवा शारीरिक स्थिति क्या है;
- (v) ऐसे पुत्र अथवा पुत्री का अभिभावक रूप में पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वाला व्यक्ति अथवा अभिभावक के माध्यम से पारिवारिक पेंशन प्राप्त न करने वाला ऐसा पुत्र या पुत्री प्रत्येक तीन वर्षों में बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी का इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि उसकी विसंगति अथवा मानसिक असमर्थता से ग्रस्त होना जारी है अथवा उसकी शारीरिक रूप से विकलांगता अथवा असमर्थ होना जारी है।

**स्पष्टीकरण :** इस विनियम में निर्दिष्ट आयु सीमा से बाद की अवधि में असमर्थ बच्चों को पारिवारिक पेंशन का प्रदान किया जाना निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, नामतः—

- (i) पुत्री के मामले में वह उस तारीख से पारिवारिक पेंशन के लिए अपात्र बन जाएगी जिसको वह विवाहित हो जाती है;
- (ii) ऐसे पुत्र अथवा पुत्री को देय पारिवारिक पेंशन तब बंद हो जाएगी तब वह स्वयं अपने जीवन यापन के लिए अर्जन करना प्रारंभ कर देता है/देती है। ऐसे मामलों में अभिभावक अथवा पुत्र अथवा पुत्री का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रत्येक माह बैंक को यह प्रमाणपत्र पेश करे—

(अ) उसने अपना जीवन-यापन करने के लिए अर्जन करना प्रारंभ नहीं किया है;

(आ) पुत्री के मामले में उसने अभी तक विवाह नहीं किया है;

(ग) यदि कोई मृत कर्मचारी अथवा पेंशनर अपने पीछे विधवा अथवा विधुर छोड़ जाता/जाती है तो पारिवारिक पेंशन विधवा अथवा विधुर को देय होगी और ऐसा ना होने पर वह, पात्र बच्चे को देय होगी।

(ङ) बच्चों को पारिवारिक पेंशन उनके जन्म के क्रम में देय होगी और उनमें से छोटा बच्चा तब तक पारिवारिक पेंशन का हकदार नहीं होगा जब तक उससे ठीक बड़ा बच्चा पारिवारिक पेंशन प्रदान किये जाने के लिए अपात्र नहीं बन जाता :

परंतु यह शर्त है कि जहां पारिवारिक पेंशन दो बच्चों को देय है वहाँ वह उप-विनियम (1) के खंड (च) में निर्धारित की गयी विधि से अदा की जाएगी।

(च) जहाँ पारिवारिक पेंशन दो जुड़वा बच्चों को देय है वहाँ वह इन बच्चों को बराबर के अंशों में अदा की जाएगी :

परंतु यह शर्त है कि जहाँ ऐसा किसी बच्चे का पात्र होना बंद हो जाता है वहाँ उसका अंश अन्य बच्चे को प्राप्त हो जाएगा और जहाँ दोनों बच्चों का पात्र होना बंद हो जाता है वहाँ पारिवारिक पेंशन, यथास्थिति, दूसरे पात्र अकेले बच्चे अथवा दो जुड़वा बच्चों को देय होगी।

(2) जहाँ मृत कर्मचारी अथवा पेंशनर अपने पीछे एक से अधिक बच्चा छोड़ जाता है वहाँ सबसे बड़ा पात्र बच्चा उप-विनियम (1) के यथास्थिति, खंड (ख) अथवा (ग) में उल्लिखित अवधि पारिवारिक पेंशन का पात्र होगा और उस अवधि के समाप्ति के बाद अगला बच्चा पारिवारिक पेंशन प्रदान किये जाने का पात्र बन जायेगा।

(3) जहाँ इस विनियम के अधीन किसी अवयस्क को पारिवारिक पेंशन मंजूर की गयी हो वहाँ वह अवयस्क की ओर से अभिभावक को देय होगी।

(4) यदि पति या पत्नी दोनों ही बैंक के कर्मचारी हों और वे इस विनियम के उपबंधों से नियंत्रित होते हैं तथा उनमें से एक सेवा में रहते हुए अथवा सेवानिवृत्ति के बाद मृत हो जाता है तो मृत व्यक्ति से संबंधित पारिवारिक पेंशन जीवित बचने वाले पति अथवा पत्नी को देय होगी तथा पति अथवा पत्नी की मृत्यु की स्थिति में जीवित रहने वाले बच्चे अथवा बच्चों को दो पारिवारिक पेंशन निम्नलिखित सीमाओं के भीतर मृतक माता-पिता के संबंध में प्रदान की जाएगी, नामतः

- (क) यदि जीवित रहने वाला बच्चा अथवा बच्चे विनियम 38, के उप विनियम (3) के खंड (क) के उप खंड (i) और खंड (ख) के उप खंड (i) में उल्लिखित दरों से पारिवारिक पेंशन आहरित करने के पात्र हैं तो दोनों पेंशनों के राशि चार हजार आठ सौ रुपये मासिक तक ही समित होगी।
- (ख) यदि पारिवारिक पेंशनों में से किसी एक का विनियम 38, के उप विनियम (3) के खंड (क) के उप खंड (i) और खंड (ख) के उप खंड (i) में उल्लिखित दरों से देय होना बंद हो जाता है और उसके बदले में विनियम 38 के उप विनियम (1) में उल्लिखित दर से पारिवारिक पेंशन देय हो जाती है तो दोनों पेंशनों की राशि भी चार हजार आठ सौ मासिक तक सीमित कर दी जाएगी।
- (ग) यदि दोनों पारिवारिक पेंशनें विनियम 38, के उप विनियम (1) में उल्लिखित दर से देय हैं तो दोनों पेंशनों की राशि दो हजार चार सौ रुपये तक सीमित की जाएगी।
- (5) (क) जहाँ पारिवारिक पेंशन एक से अधिक विधवाओं को देय है वहाँ पारिवारिक पेंशन विधवाओं को बराबर-बराबर के अंशों में अदा की जाएगी;

(ख) किसी विधवा की मृत्यु होने पर उसके पारिवारिक पेंशन का अंश उसके पात्र बच्चे को देय हो जाएगा :

परंतु यह शर्त है कि यदि विधवा का कोई बच्चा जीवित न हो तो पारिवारिक पेंशन का उसका अंश व्यपगत नहीं होगा और वह अन्य विधवाओं को बराबर-बराबर अंशों में देय होगा अथवा यदि केवल एक ही ऐसी अन्य विधवा हो तो वह उसे पूरी की पूरी अदा की जाएगी;

(ग) जहाँ मृत कर्मचारी अथवा पेंशनर की विधवा जीवित है परंतु उसने अपने पीछे किसी ऐसी अन्य पत्नी का पात्र बच्चा अथवा बच्चे छोड़े हों जो जीवित नहीं हैं वहाँ पात्र बच्चा अथवा बच्चे पारिवारिक पेंशन के उस अंश के पात्र होंगे जो उसकी / उनकी मां को तब प्राप्त हुआ होता जब वह कर्मचारी अथवा पेंशनर की मृत्यु के समय जीवित होती ; परंतु यह शर्त है कि ऐसे बच्चे अथवा बच्चों, अथवा विधवा अथवा विधवाओं को देय पारिवारिक पेंशन के अंश अथवा अंशों का देय होना बंद हो जाने पर वह अथवा वे व्यपगत नहीं होंगे परंतु वे उस अन्य विधवा अथवा उन अन्य विधवाओं अथवा उस अन्य बच्चे अथवा उन अन्य बच्चों को बराबर-बराबर के अंश में देय होंगे जो अन्यथा पात्र हो/ हों और यदि केवल एक विधवा अथवा बच्चा हो तो वह ऐसी विधवा अथवा बच्चे को पूरी की पूरी अदा की जाएगी;

(घ) जहाँ पारिवारिक पेंशन दो बच्चों को देय है वहाँ वह उन बच्चों को उपर्युक्त उप विनियम (1) के खंड (च) में निर्दिष्ट विधि से अदा की जाएगी;

(ङ) इस विनियम में यथा उपबंधित इस स्थिति को छोड़कर पारिवारिक पेंशन एक परिवार के एक से अधिक सदस्यों को एक ही समय में देय नहीं होगी।

(6) जहाँ कोई महिला कर्मचारी अथवा पुरुष कर्मचारी अपने पीछे न्यायिक रूप से संबंध विच्छेद हुए पति अथवा विधवा और कोई बच्चा अथवा बच्चे अपने पीछे छोड़कर नहीं मर जाता है तब मृत कर्मचारी से संबंधित पारिवारिक पेंशन, जीवित रहने वाले व्यक्ति को देय होगी :

परंतु यह शर्त है कि जहाँ व्यभिचार के आधार पर न्यायिक संबंध विच्छेद मंजूर किया गया हो और ऐसे न्यायिक संबंध विच्छेद की अवधि के दौरान कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है ऐसे मामले में पारिवारिक पेंशन जीवित रहने वाले व्यक्ति को देय नहीं होगी। बशर्ते जीवित रहने वाला व्यक्ति व्यभिचार करने का दोषी ठहराया गया हो।

(7) (क) जहाँ कोई महिला कर्मचारी अथवा पुरुष कर्मचारी अपने पीछे न्यायिक रूप से संबंध विच्छेद हुए पति/पत्नी अथवा बच्चे या बच्चों को छोड़कर मृत हो जाता है वहाँ मृत व्यक्ति के संबंध में देय पारिवारिक पेंशन जीवित रहने वाले व्यक्ति को देय होगी अर्थात् वह ऐसे बच्चे या बच्चों का अभिभावक हो ;

(ख) जहाँ जीवित बचन वाले व्यक्ति का ऐसे बच्चे अथवा बच्चों का अभिभावक होना बंद हो जाता है वहाँ ऐसे पारिवारिक पेंशन उस व्यक्ति को देय होगी जो ऐसे बच्चे अथवा बच्चों का वास्तविक अभिभावक हो।

(8) यदि पारिवारिक पेंशन प्रदान किये जाने के पात्र पुत्र अथवा पुत्री अठारह वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता/लेती है तो पारिवारिक पेंशन ऐसे पुत्र अथवा अविवाहित पुत्री को सीधे ही अदा की जा सकती है।

(9) (क) जो व्यक्ति किसी कर्मचारी की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने की स्थिति में इस विनियमावली के अधीन पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने का पात्र है। उस पर किसी कर्मचारी की हत्या करने का अपराध का दोष लगाया गया है अथवा ऐसा अपराध करने के लिए प्रोत्साहित करने का अपराध का दोष लगाया गया है तो परिवार के अन्य पात्र सदस्य अथवा सदस्यों सहित ऐसे व्यक्ति का पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने का दावा तब तक विलंबित बना रहेगा जब तक उसके विरुद्ध शुरू की गयी अपराधी कार्रवाई का निष्कर्ष नहीं निकलता।

(ख) यदि खंड (क) में उल्लिखित आपराधिक कार्रवाई का निष्कर्ष निकलने पर संबंधित व्यक्ति—

- (i) किसी कर्मचारी की हत्या करने अथवा उसकी हत्या को प्रोत्साहित करने का दोषी पाया जाता है तो ऐसे व्यक्ति पर पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने से रोक लगा दी जाएगी तथा जो कर्मचारी की मृत्यु होने की तारीख से परिवार के अन्य पात्र सदस्यों को देय होगी।
  - (ii) किसी कर्मचारी की हत्या करने अथवा उसको प्रोत्साहित करने के दोष से मुक्त कर दिया जाता है तो ऐसे व्यक्ति को पारिवारिक पेंशन कर्मचारी की मृत्यु के तारीख से देय होगी।
- (ग) किसी कर्मचारी की सेवा निवृत्ति के बाद उसकी मृत्यु होने पर पारिवारिक पेंशन के देय होने के लिए उप खंड (क) और (ख) के उपबंध भी लागू होंगे।

### अध्याय VIII

#### सारांशीकरण (कॉम्प्यूटेशन)

#### 40. सारांशीकरण

- (1) कोई भी कर्मचारी एकमुश्त राशि की अदायगी के लिए अपनी पेंशन के एक तिहाई से अधिक न होने वाले अंश का सारांशीकरण करने का पात्र होगा :
- परंतु यह शर्त है कि जो कर्मचारी इस विनियमावली के विनियम 3 के उप विनियम (4) से नियंत्रित होता है। ऐसे कर्मचारी का परिवार कर्मचारी को स्वीकार्य पेंशन के एक तिहाई से अधिक न होनेवाले अंश का एकमुश्त अदायगी के लिए सारांशीकरण करने का पात्र नहीं होगा।
- (2) कोई भी कर्मचारी पेंशन का वह अंश सूचित करेगा जिसका वह सारांशीकरण करना चाहता है और वह या तो एक तिहाई पेंशन की अधिकतम सीमा अथवा ऐसी कम सीमा सूचित कर सकता है जिसे सारांशीकृत करने की उसकी इच्छा हो।
  - (3) यदि सारांशीकृत किये जाने के पेंशन के परिणामस्वरूप रुपये का कोई अंश होता है तो रुपये का ऐसा अंश सारांशीकरण के प्रयोजन के लिए छोड़ दिया जाएगा।
  - (4) किसी आवेदक को देय एकमुश्त राशि का हिसाब नीचे दी गई सारणी के अनुसार लगाया जाएगा।

#### सारणी

1/- रुपया वार्षिक की पेंशन का सारांशीकरण मूल्य

अगले जन्म दिन को आयु	खरीदे गये वर्षों की संख्या के रूप में व्यक्त किये गये सारांशीकरण का मूल्य	अगले जन्म दिन को आयु	खरीदे गये वर्षों की संख्या के रूप में व्यक्त किये गये सारांशीकरण का मूल्य
1	2	3	4
17	19.28	2 6	18.34
18	19.20	2 7	18.21
19	19.11	2 8	18.07
20	19.01	2 9	17.93
21	18.91	3 0	17.78
22	18.81	3 1	17.62
23	18.70	3 2	17.46
24	18.59	3 3	17.29
25	18.47	3 4	17.11

1	2	3	4
3 5	16.92	61	9.81
36	16.72	62	9.48
37	16.52	63	9.15
38	16.31	64	8.82
3 9	16.09	65	8.50
4 0	15.87	66	8.17
4 1	15.64	67	7.85
4 2	15.40	68	7.53
4 3	15.15	69	7.22
4 4	14.90	70	6.91
4 5	14.64	71	6.60
46	14.37	72	6.30
47	14.10	73	6.01
48	13.82	74	5.72
4 9	13.54	75	5.44
5 0	13.25	76	5.17
5 1	12.95	77	4.90
5 2	12.66	78	4.65
5 3	12.35	79	4.40
5 4	12.05	80	4.17
5 5	11.73	81	3.94
56	11.42	82	3.72
57	11.10	83	3.52
58	10.78	84	3.32
5 9	10.46	85	3.13
60	10.13		

**टिप्पणी :**

- (1) उपर्युक्त सारणी में पेंशनर के अगले जन्म दिन की आयु के संदर्भ में खरीद के वर्षों की संख्या के रूप में व्यक्त पेंशन का सारांशीकरण मूल्य दर्शाया गया है अर्थात् 16 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी के मामले में सारांशीकृत मूल्य 10.46 वर्षों की खरीद है और इसलिए यदि वह अपनी सेवानिवृत्ति के एक वर्ष के भीतर अपनी पेंशन के सौ रुपयों का सारांशीकरण करता है तो उसे देय एक मुश्त राशि हिसाब लगाने पर  $100 \text{ रुपये} \times 10.46 \times 12 = 12,552/-$  रुपये होती है।
- (2) जिस कर्मचारी ने पेंशन का स्वीकार्य भाग सारांशीकृत किया है वह इसका पात्र होगा कि वह सारांशीकृत की तारीख से पन्द्रह वर्षों की अवधि की समाप्ति के बाद उसे बहाल कर ले।

- (3) जो आवेदक अधिवर्षिता पेंशन, स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पेंशन, समय पूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन, अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन, अशक्तता पेंशन अथवा अनुकंपा भत्ता के लिए प्राधिकृत है वह इस विनियमावली के अधीन अपनी पेंशन के एक अंश का सारांशीकरण करने का पात्र होगा।
- (4) जो पेंशनर अधिवर्षिता पेंशन अथवा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेंशन अथवा सेवानिवृत्ति पेंशन का पात्र है उसके मामले में किसी डाक्टरी परीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी बशर्ते सारांशीकरण का आवेदन पत्र सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर दिया गया हो। परंतु यदि पेंशनर अपनी सेवानिवृत्ति के तारीख से एक वर्ष के बाद पेंशन के सारांशीकरण के लिए आवेदन करता है तो उसकी अनुमति डाक्टरी परीक्षा के अधीन दी जाएगी।

स्पष्टीकरण :— जो आवेदक—

- (i) इस विनियमावली के विनियम 29 के अधीन अशक्तता पेंशन पर सेवानिवृत्त होता है ; अथवा
- (ii) जो इस विनियमावली के विनियम 30 के अधीन अनुकंपा भत्ता प्राप्त कर रहा है ; अथवा
- (iii) जो बैंक द्वारा अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया गया है और जो विनियम 32 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन का पात्र है उसके बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा उसे योग्य घोषित कर देने के बाद वह उप विनियम (1) में निर्दिष्ट सीमा के अधीन अपने पेंशन का एक अंश सारांशीकृत करने का पात्र होगा।
- (5) ऐसे कर्मचारी के मामले में पेंशन का सारांशीकरण निम्नलिखित मामले में निरपेक्ष बन जाएगा।
- (क) जो अधिवर्षिता अथवा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने पर सेवानिवृत्ति की तारीख से पहले पड़ने वाली सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद की तारीख को पेंशन के सारांशीकरण का आवेदन प्रस्तुत करता है :
- परंतु यह शर्त है कि विनियम 28 उप विनियम (3) के कर्मचारी तीन महीनों की सूचना की अवधि की समाप्ति से पहले अपने पेंशन के एक भाग के सारांशीकरण के लिए आवेदन नहीं करेगा और पेंशन का सारांशीकरण तभी निरपेक्ष बनेगा जब विनियम 28 के उप विनियम (1) में उल्लिखित सूचना की अवधि समाप्त हो जाएगी।
- (ख) अधिवर्षिता, अथवा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अथवा समय पूर्व सेवानिवृत्ति से सेवानिवृत्त होने वाला जो कर्मचारी सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद परंतु सेवानिवृत्ति की तारीख के एक वर्ष के पूरा होने से पहले पेंशन के सारांशीकरण के लिए आवेदन करता है और उसका आवेदन पत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्राप्त कर लिया जाता है।
- (ग) अधिवर्षिता, अथवा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अथवा समय पूर्व सेवानिवृत्ति से सेवानिवृत्त होने वाला जो कर्मचारी सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के बाद बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी के डाक्टरी प्रमाणपत्र दिये जाने की तारीख को आवेदन करता है।
- (घ) जो अधिसूचित तारीख से पहले सेवानिवृत्त हो गया है जिसने इस विनियमावली से नियंत्रित होने का विकल्प अधिसूचित तारीख को चुना है और जहाँ सारांशीकरण का आवेदन पत्र विनियम 3 के उप विनियम (1) के खंड (ख) में निर्दिष्ट अवधि के भीतर किया गया है वहाँ सारांशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी के डाक्टरी प्रमाणपत्र दिये जाने की तारीख को निरपेक्ष बन जाएगा।
- (ङ) जिस कर्मचारी को विनियम 29 के अधीन अशक्तता पेंशन अथवा विनियम 30 के अधीन अनुकंपा भत्ता अथवा विनियम 32 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्ति के लिए अशक्तता पेंशन स्वीकार्य है उसके संबंध में सारांशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिये गये डाक्टरी प्रमाणपत्र की तारीख को निरपेक्ष बन जायेगा।



## अध्याय IX

## सामान्य शर्तें

## 41. पेंशन भावी अच्छे आचरण के अधीन होगी

इस विनियमावली के अधीन पेंशन के प्रत्येक स्वीकृत और उसका जारी रहने के लिए भावी अच्छा आचरण एक निहित शर्त होगी।

## 42. पेंशन का रोक रखना अथवा उसका वापस लिया जाना

सक्षम प्राधिकारी लिखित आदेश से पेंशन अथवा उसके किसी भाग को तब रोक रख सकता है अथवा तब उसे वापस ले सकता है भले ही ऐसा स्थायी रूप से अथवा निर्दिष्ट अवधि के लिए क्यों न किया जाए जब पेंशनर को किसी अपराध अथवा न्यास के अपराधिक भंग अथवा जालसाजी अथवा धोखाधड़ी पूर्वक कार्य करने के लिए दोषी पाया गया हो अथवा गंभीर दुराचरण के लिए अपराधी पाया गया हो :

परंतु जहाँ पेंशन का कोई भाग रोक लिया जाता है अथवा वापस लिया जाता है वहाँ ऐसी पेंशन की राशि उस न्यूनतम मासिक पेंशन से कम नहीं की जाएगी जो इस विनियमावली के अधीन देय है।

## 43. न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि ( कनविक्शन )

जहाँ किसी पेंशनर को किसी विधि न्यायालय द्वारा गंभीर अपराध के लिए दोषसिद्ध ठहराया गया हो वहाँ दोषसिद्धि से संबंधित न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कार्रवाई की जाएगी।

## 44. गंभीर दुराचरण का अपराधी पेंशन

यदि विनियम 43 के अधीन न आने वाले किसी मामले में सक्षम प्राधिकारी यह सोचता है कि पेंशनर प्रत्यक्ष रूप से दुराचरण का अपराधी है तो वह आदेश पारित करने से पहले, यथास्थिति, आचरण, अनुशासन, अपील विनियमावली के विनियम 25 अथवा सेवा शर्तों में निर्धारित क्रियाविधि का पालन करेगा।

## 45. अंतिम पेंशन

- (1) जो कर्मचारी अधिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर अथवा अन्यथा सेवानिवृत्त हुआ है और जिसके विरुद्ध कोई विभागीय अथवा न्यायिक कार्रवाई शुरू की गयी है अथवा जिसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई जारी है उस अधिकतम पेंशन के बराबर की अंतिम पेंशन की अनुमति दी जाएगी जो उसे स्वीकार्य हुई होती। यह अनुमति इस समायोजन के अधीन होगी जो कार्रवाइयों के समापन पर उसे स्वीकृत अंतिम सेवानिवृत्ति के लाभों में से किया जाएगा परंतु जहाँ अंतिम रूप से स्वीकृत पेंशन अंतिम पेंशन से कम है अथवा जहाँ पेंशन कम कर दी गयी है अथवा स्थायी रूप से अथवा किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए रोककर रखी गयी है वहाँ वह ऐसे पेंशन से कम है।
- (2) ऐसे मामलों में उक्त कर्मचारी को उपदान (ग्रेच्युटी) तब तक अदा नहीं किया जाएगा जब तक उसके विरुद्ध की गयी कार्रवाइयों समाप्त नहीं हो जाती। उसे उपदान कार्रवाइयों के निर्णय के अधीन उनकी समाप्ति पर अदा किया जाएगा। कर्मचारी से की जाने वाली कोई भी वसूलियाँ देय उपदान की देय राशि में से समायोजित की जाएगी।

स्पष्टीकरण :— इस अध्ययन में

- (क) 'गंभीर अपराध' अभिव्यक्ति में शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (1923 का संख्यांक 19) के अधीन किसी अपराध से संबंधित अपराध शामिल है;
- (ख) 'गंभीर दुराचरण' अभिव्यक्ति में ऐसा कोई भी गुप्त शासकीय कूट अथवा संकेत शब्द (पास वर्ड) कोई स्केच, नक्शा, प्रतिरूप, वस्तु, नोट, प्रलेख अथवा सूचना का संग्रहित किया जाना अथवा प्रकटन शामिल है जिसका उल्लेख शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (1923 का संख्यांक 19) की धारा 5 में किया गया है और जो बैंक में किसी पद को धारित करते हुए प्राप्त की गयी थी ताकि उससे सामान्य जनता के हितों अथवा राजकीय सुरक्षा पर प्रतिपूर्ण रूप से प्रभाव पड़े;
- (ग) 'धोखाधड़ी से' अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जो उसका अर्थ भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का संख्यांक 45) की धारा 25 के अधीन उसके लिए निर्धारित किया गया;
- (घ) 'न्यास के अपराधिक भंग' अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जो उसका अर्थ भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का संख्यांक 45) की धारा 45 के अधीन उसके लिए निर्धारित किया गया;
- (ङ) 'जालसाजी' अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जो उसका अर्थ भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का संख्यांक 45) की धारा 463 के अधीन उसके लिए निर्धारित किया गया;

#### 46. विभागीय अथवा न्यायिक कार्यवाहियों के दौरान पेंशन का सारांशीकरण

जिस कर्मचारी के विरुद्ध उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पहले विभागीय अथवा न्यायिक कार्यवाहियाँ प्रारंभ की गयी हैं अथवा जिस व्यक्ति के विरुद्ध उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद ऐसी कार्यवाहियाँ प्रारंभ की गयी हैं वह, यथास्थिति, अनंतिम पेंशन अथवा पेंशन के अंश का ऐसी कार्यवाहियों के विचाराधीन रहने के दौरान ऐसा सारांशीकरण किये जाने का पात्र नहीं होगा जिसके लिए वह इन विनियम के अधीन प्राधिकृत है।

#### 47. बैंक को हुई आर्थिक हानि की वसूली

- (1) यदि किन्हीं विभागीय अथवा न्यायिक कार्यवाहियों में पेंशनर को गंभीर दुराचरण, लापरवाही अथवा न्यास के आपराधिक भंग अथवा जालसाजी अथवा उसकी सेवा की अवधि के दौरान धोखाधड़ी से किये गये कार्यों का दोषी पाया जाता है तो सक्षम पेंशन अथवा उसके किसी भाग को रोक सकता है अथवा वापस ले सकता है भले ही ऐसा किया जाना स्थायी रूप से अथवा किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए क्यों न हो तथा वह प्राधिकारी बैंक को हुई किसी आर्थिक हानि के पूरे अथवा आंशिक भाग की वसूली के लिए पूरी पेंशन अथवा उसके भाग में से बैंक को हुई आर्थिक हानि की वसूली का आदेश दे सकता है:

परंतु यह शर्त है कि अंतिम आदेश पारित किये जाने से पहले मण्डल से परामर्श किया जाएगा परंतु इसके अतिरिक्त यह शर्त भी है कि यदि विभागीय कार्यवाहियाँ कर्मचारी के सेवा में रहने के दौरान प्रारंभ की जाती हैं तो वे कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद इस विनियमावली के अधीन होने वाली कार्यवाहियाँ मानी जाएंगी और वे जारी रहेंगी तथा उनका निष्कर्ष उस प्राधिकारी द्वारा उसी विधि से निकाला जाएगा जिसके द्वारा वे शुरू की गयी थीं मानो कि कर्मचारी का सेवा में बना रहना जारी था:

यह भी शर्त है कि जब कर्मचारी सेवा में था उस समय यदि कोई विभागीय अथवा न्यायिक कार्यवाहियाँ प्रारंभ नहीं की गयी थीं तो वे ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में प्रारंभ नहीं की जाएंगी जो उस घटना के संबंध में उत्पन्न हुई हों जो ऐसे कार्यवाहियाँ प्रारंभ किये जाने के चार वर्षों से भी पहले हुई हों।

- (2) जहां सक्षम प्राधिकारी पेंशन से आर्थिक हानि की वसूली का आदेश देता है वहां वसूली सामान्यतः उस दर से की जाएगी जो कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख को स्वीकार्य पेंशन के एक तिहाई से अधिक नहीं होगी:

परंतु यह शर्त है कि जहाँ पेंशन का कोई भाग रोके रखा गया है अथवा वापस लिया गया है वहाँ पेंशनर द्वारा आहरित पेंशन की राशि इस विनियमावली के अधीन देय न्यूनतम पेंशन से कम नहीं होगी।

#### 48. बैंक की देय राशियों की वसूली

बैंक इसका हकदार होगा कि वह आवास ऋण, अग्रिमों, लाइसेंस शुल्कों और अन्य वसूलियों की देय राशियों को पेंशन के सारांशीकृत मूल्य अथवा पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन में से वसूल कर ले।

#### 49. सेवानिवृत्ति के बाद वाणिज्यिक नियोजन

- (1) ऐसा कोई पेंशनर जो अपनी सेवानिवृत्ति से ठीक पहले किसी अधिकारी का पद धारण कर रहा था और जो अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से दो वर्षों की समाप्ति से पहले कोई वाणिज्यिक नियोजन स्वीकार करना चाहता है तो वह ऐसी स्वीकृति के लिए बैंक की पूर्व मंजूरी प्राप्त करेगा।
- (2) उप विनियम (3) के उपबंधों के अधीन बैंक पेंशनर के आवेदन पत्र पर लिखित रूप में आदेश देकर ऐसी शर्तों के अधीन, बशर्ते की वे हों जिन्हें वो आवश्यक समझे, पेंशनर को आवेदन पत्र में निर्दिष्ट वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करने की अनुमति दे सकता है अथवा वह आदेश में दर्ज किये गये कारणों से ऐसी अनुमति देने से इन्कार कर सकता है।
- (3) पेंशनर को उप विनियम (2) के अधीन वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करने की अनुमति प्रदान करने या उसके लिए इन्कार करने में बैंक निम्नलिखित तत्वों पर ध्यान देगा, नामतः—
  - (क) ग्रहण किये जाने के लिए प्रस्तावित नियोजन का स्वरूप और नियोक्ता के पूर्ववृत्त;
  - (ख) जिस नियोजन को वह ग्रहण करने का प्रस्ताव कर रहा है क्या उसके कर्तव्य ऐसे हैं जिससे वह बैंक के विरोध में खड़ा होता हो;
  - (ग) क्या पेंशनर सेवा में रहते हुए उस नियोक्ता के साथ कोई ऐसे संबंध से जिसके अधीन उसने नियोजन प्राप्त करने का प्रस्ताव रखा है जिनसे यह संदेह करने का उचित आधार हो सकता है कि ऐसे पेंशनर ने उक्त नियोक्ता के प्रति पक्षपात दर्शाया है;
  - (घ) क्या प्रस्तावित वाणिज्यिक नियोजन के कर्तव्यों में बैंक के साथ संपर्क अथवा संविदा निहित है;
  - (ङ) क्या उसके वाणिज्यिक कर्तव्य ऐसे होंगे कि बैंक के अधीन उसके पिछले शासकीय पद अथवा जानकारी अथवा अनुभव का उपयोग प्रस्तावित नियोक्ता को अनुचित लाभ दिये जाने के लिए दिया जा सकता है।
  - (च) प्रस्तावित नियोक्ता द्वारा प्रदान की जाने वाली परिलब्धियाँ ; और
  - (छ) कोई अन्य संगत तत्व।

- (4) जहां उप विनियम (30) के अधीन आवेदन पत्र प्राप्त होने की तारीख से साठ दिनों की अवधि के भीतर बैंक, आवेदन की गयी अनुमति प्रदान करने से इंकार नहीं करता अथवा आवेदक को इंकार की सूचना नहीं देता वहां यह माना जाएगा की बैंक ने यथा आवेदित अनुमति प्रदान कर दी है:

परन्तु यह शर्त है कि जिस मामले में आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में दोषपूर्ण अथवा अपर्याप्त सूचना प्रदान की गयी है और जहां बैंक के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह कर्मचारी से अतिरिक्त स्पष्टीकरण अथवा सूचना मांगे, वहां साठ दिनों की अवधि उस तारीख से गिनी जाएगी जिसको आवेदक द्वारा दोष ठीक कर दिये गये होंगे अथवा पूरी जानकारी प्रदान कर दी गयी होगी।

- (5) जहां बैंक किन्हीं शर्तों के अधीन आवेदित अनुमति प्रदान करता है अथवा ऐसी अनुमति के लिए इंकार करता है वहां आवेदक इस आशय का बैंक का आदेश प्राप्त होने के तीस दिनों के भीतर ऐसी शर्त अथवा इंकार किये जाने के विरुद्ध प्रतिवेदन कर सकता है और बैंक उस पर ऐसे आदेश दे सकता है जिसे वह उचित समझे :

परन्तु यह शर्त है कि ऐसी शर्त को रद्द करने वाला अथवा किन्हीं शर्तों के बिना ऐसी अनुमति प्रदान करने के आदेश को छोड़कर इस उप विनियम के अधीन कोई अन्य आदेश प्रतिवेदन करने वाले पेंशनर को यह कारण बताने का अवसर दिये बिना नहीं दिया जाएगा कि प्रस्तावित आदेश क्यों दिया गया है।

- (6) यदि कोई पेंशनर अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से दो वर्षों के अवधि की समाप्ति के पहले किसी समय कोई वाणिज्यिक नियोजन बैंक की पूर्ण अनुमति लिये बिना ग्रहण करता है अथवा किसी ऐसी शर्त को भंग करता है जिसके अधीन कोई वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करने की अनुमति इस विनियम के अधीन उसे प्रदान की गयी है तो बैंक के लिए यह उचित होगा कि वह लिखित रूप के आदेश से और उसमें दर्ज किये जाने वाले कारणों के लिए यह घोषित करे कि वह कर्मचारी पूरी पेंशन अथवा उसके ऐसे भाग का ऐसी अवधियों के लिए पात्र नहीं होगा जो आदेश में निर्दिष्ट की जाये अथवा की जायें :

परन्तु यह शर्त है कि संबंधित पेंशनर को इसका अवसर दिये बिना कोई ऐसा आदेश नहीं दिया जाएगा कि वह ऐसी घोषण के विरुद्ध कारण दे :

परन्तु इसके अतिरिक्त यह शर्त भी है कि इस विनियम के अधीन कोई आदेश देने में बैंक निम्नलिखित तथ्यों का ध्यान रखेगा, नामतः—

- (i) संबंधित पेंशनर की वित्तीय परिस्थितियां।
  - (ii) संबंधित पेंशनर द्वारा ग्रहण किये गये वाणिज्यिक नियोजन का स्वरूप और उसकी परिलब्धियां; और
  - (iii) कोई अन्य संबंधित तथ्य।
- (7) इस विनियम के अधीन बैंक द्वारा पारित किया गया प्रत्येक आदेश संबंधित पेंशनर को सूचित किया जाएगा।
- (8) इस विनियम में “वाणिज्यिक नियोजन” अभिव्यक्ति का अर्थ—

- (i) किसी कंपनी (बैंकिंग कंपनी सहित) सहकारी समिति फर्म अथवा व्यापारी, वाणिज्यिक औद्योगिक वित्तीय अथवा व्यवसायिक कारोबार में लगे व्यक्ति के अधीन एजेंट की हैसियत सहित किसी भी हैसियत का नियोजन है और इसमें ऐसी कंपनी (बैंकिंग कंपनी सहित) के निदेशक का पद और ऐसी फर्म की भागीदारी भी शामिल है परन्तु उसमें किसी ऐसी कंपनी निकाय के अधीन नियोजन शामिल नहीं है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के पूर्णतः अथवा काफी अधिक स्वामित्व में हो अथवा उसके द्वारा नियंत्रित हो;
- (ii) ऐसे जिन निम्नलिखित मामलों में पेंशन सलाहकार अथवा परामर्श के रूप में या तो स्वतंत्र रूप से अथवा किसी फर्म के भागीदार के रूप में अपना व्यवसाय स्थापित करता है—
  - (अ) जिनमें उसकी कोई व्यवसायिक योग्यतायें नहीं हैं और जिन मामलों में व्यवसाय स्थापित किया जाना है अथवा चलाया जाना है वे उसकी शासकीय जानकारी अथवा अनुभव से संबंधित किये जा सकते हैं; अथवा
  - (आ) जिनमें उसकी व्यावसायिक योग्यतायें हैं परन्तु जिन मामलों के संबंध में ऐसा व्यवसाय स्थापित किया जाना है उनसे इसकी संभावना है कि वे ग्राहकों को पेंशनर की पिछले शासकीय पद के कारण अनुचित लाभ प्रदान करेंगे; अथवा
  - (इ) जिनमें उसके लिए ऐसा कार्य हाथ में लेना निहित हो कि उसे बैंक के कार्यालय अथवा अधिकारियों के साथ संपर्क करना अथवा संबंध बनाना होगा।

स्पष्टीकरण : इस खंड के प्रयोजन के लिए “सहकारी समिति के अधीन नियोजन” अभिव्यक्ति में कोई भी पद धारित करना शामिल है भले ही वह अध्यक्ष, चेयरमैन, प्रबंधक, सचिव, खजान्ची और इनके जैसे पदों वाला जिसे ऐसी समिति में किसी भी नाम से पुकारा जाए, जैसा चयन वाला या अन्यथा कोई पद क्यों न हो।

**50. नामांकन**

- (1) इस विनियमावली से नियंत्रित होने वाले प्रत्येक कर्मचारी को न्यास इसकी अनुमति देगा कि वह एक या उसके अधिक व्यक्तियों को यह अधिकार देने वाला नामांकन करे कि वह अथवा वे इससे पहले उसकी मृत्यु होने की स्थिति में इस विनियमावली के अधीन पेंशन संबंधी लाभों की राशि प्राप्त करे अथवा करें। जब उक्त राशि देय हो जाती है अथवा वह देय तो हो जाती है परंतु अदा नहीं की जाती। ऐसा नामांकन ऐसे प्रपत्र (फार्म) में किया जाएगा जो बैंक द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।
- (2) यदि कोई कर्मचारी उप विनियम (1) से अधिक व्यक्तियों का नामांकन करता है तो वह अपने नामांकन में प्रत्येक नामिती को देय राशि अथवा अंश का उल्लेख ऐसी विधि से करेगा, जो पेंशन संबंधी लाभों की वह संपूर्ण राशि पूरी हो जाये जो उसकी मृत्यु होने की स्थिति में देय हो सकती हो।
- (3) किसी कर्मचारी द्वारा किये गये नामांकन में उसके संशोधन अथवा प्रतिसंहरण करने के इरादे की न्यास को लिखित सूचना ऐसे प्रपत्र में देने के बाद उसके द्वारा किसी भी समय ऐसा संशोधन अथवा प्रतिसंहरण किया जा सकता है जो बैंक द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।
- (4) कोई भी नामांकन अथवा उसका प्रतिसंहरण अथवा संशोधन उस सीमा तक प्रभावी होगा जो उस तारीख को विधि मान्य हो जिसको न्यास द्वारा वह प्राप्त हुआ।

**51. वह तारीख जिससे पेंशन देय हो जाती है**

- (1) जिस कर्मचारी पर विनियम 42 और विनियम 45 के उपबंध लागू होते हैं उसके मामले को छोड़कर किसी कर्मचारी को पारिवारिक पेंशन को छोड़कर पेंशन उस तारीख से देय होगी जो किसी कर्मचारी के सेवानिवृत्ति होने की तारीख के बाद की तारीख अथवा अधिसूचित तारीख में से जो भी बाद में हो वह तारीख हो।
- (2) पारिवारिक पेंशन कर्मचारी अथवा पेंशन की मृत्यु की तारीख के बाद की तारीख अथवा अधिसूचित तारीख में से जो भी बाद में हो उससे देय हो जाएगी।
- (3) पारिवारिक पेंशन सहित पेंशन उस दिन के लिए देय होगी जिसकी पेंशन प्राप्तकर्ता की मृत्यु होती है।

**52. मुद्रा जिसमें पेंशन अदा की जाएगी**

इस विनियमावली के अधीन स्वीकार्य सभी पेंशन भारत के केवल रुपयों में देय होगी।

**53. पेंशन की अदायगी की विधि**

मासिक दर से निर्धारित पेंशन अगले माह की पहली तारीख को अथवा उसके बाद मासिक देय होगी।

**54. अनुदेश जारी करने की शक्ति**

बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समय-समय पर ऐसे अनुदेश जारी कर सकते हैं जो इस विनियमावली के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक अथवा समीचीन समझे जाएं।

**55. अविशिष्ट उपबंध**

यदि इस विनियमावली के लागू होने के मामले में कोई संदेह होता है तो केन्द्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सिविल सेवा नियमावली, 1972, अथवा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन की सारांशीकरण) नियमावली, 1981 के तदनुरूपी उपबंध का ध्यान ऐसे अपवादों और संशोधनों सहित रखा जाना है जिन्हें बैंक, केन्द्र सरकार की पूर्व अनुमति से समय-समय पर निर्धारित करे।

आर. एम. वी. रामन, महाप्रबंधक

[सं. विज्ञापन /III/IV/65 /2000-असाधारण]

## परिशिष्ट—I

( विनियम 34 देखिये। )

- (क) जो कर्मचारी 01-01-1986 से 31-10-1987 की अवधि के दौरान सेवानिवृत्त हुए हैं उनकी मूल पेंशन और अतिरिक्त पेंशन अद्यतन बनाने के सूत्र नीचे लिखे अनुसार होंगे :

## I. 1-1-1986 से 31-10-1987 के दौरान सेवानिवृत्त

- अ. (1) मूल पेंशन को बढ़ाकर निम्नलिखित राशि तक कर दिया जाएगा,
- (क) पेंशन के लिए संगणनीय औसत परिलब्धियों के पहले 1,000/- रुपये का 50 प्रतिशत ..... रुपये
- (ख) अगले 500 रुपये का 45 प्रतिशत ..... रुपये
- (ग) पेंशन के लिए संगणनीय औसत परिलब्धियों के 1500 से अधिक रुपयों का 40 प्रतिशत ..... रुपये
- (क+ख+ग) का कुल जोड़ ..... रुपये (अ)
- आ. सेवानिवृत्त से पहले की सेवा के पिछले 10 माह की औसत परिलब्धियों का 50 प्रतिशत ..... रुपये (आ)
- इ. नीचे दी गई सारणी के अनुसार उपर्युक्त ..... रुपये (इ)
- (1) से हिसाब लगाई गई मूल पेंशन के लिए औद्योगिक कामगार शृंखला 1960=100 के अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य के सूचकांक संख्या 6 पर महंगाई राहत
- ई. कुल बढ़ी हुई मूल पेंशन
- = (आ) + (इ) × वर्षों की संख्या = अर्हक सेवा (अधिकतम 33 वर्ष) के बराबर ..... रुपये (ई)

33

- उ. 1-11-1993 को 33 मूल पेंशन ..... रुपये (उ)
- (अगले अधिक रुपये तक पूर्णांकित)
- (2) अतिरिक्त पेंशन के प्रयोजन के लिए, यथास्थिति, अधिकारी सेवा विनियमावली की शर्तों के अनुसार भविष्य निधि में अंशदान करने की हकदार होने वाली निधि की सीमा तक के ऐसे विशेष भत्ते जो सेवानिवृत्त के समय आहरित विशेष भत्तों के बराबर हों।

## सारणी

अधिकारी संवर्ग के लिए 1-1-1986 से 31-10-1987 तक की अवधि के दौरान औद्योगिक कामगार शृंखला 1960=100 के अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की सूचकांक संख्या से हिसाब लगाई गई महंगाई राहत की दरें नीचे लिखे अनुसार होंगी।

- (i) 765/- रु. मासिक तक की मूल पेंशन आहरित करने वाले अधिकारियों के लिए अधिकतम 500/- रुपये के अधीन उपर्युक्त अ (1) में हिसाब लगाये अनुसार पेंशन की राशि का 66 प्रतिशत
- (ii) 765/- रु. से लेकर 1165/- रु. मासिक या इससे अधिक की मूल पेंशन आहरित करने वाले अधिकारियों के लिए 500/- रुपये
- (iii) 1166/- रु. मासिक या इससे अधिक की मूल पेंशन आहरित करने वाले अधिकारियों के लिए 715/- रुपये की अधिकतम राशि के अधीन उपर्युक्त अ (1) के अनुसार हिसाब लगाई पेंशन की राशि का 42.90 प्रतिशत

## II. 1-7-1993 को या उसके बाद परंतु 1-5-1994 के पहले सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी

- (ख) जो अधिकारी संवर्ग जुलाई 1993 की पहली तारीख को या उसके बाद परंतु मई 1994 की पहली तारीख से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं उनकी मूल पेंशन अद्यतन करने का सूत्र, नीचे लिखे अनुसार होगा :
- (1) अर्हक सेवा के पिछले 10 माह के दौरान पुराने वेतन मानों के अनुसार ..... रुपये
- माह/माहों का आहरित कुल वेतन
- (2) उपर्युक्त (1) में हिसाब लगाये गये प्रत्येक माह ..... रुपये
- के वेतन के लिए वास्तव में आहरित महंगाई
- भत्ते अथवा 1148 अंकों का महंगाई भत्ते
- में से जो भी कम हो
- (3) उपर्युक्त (1) के अनुसार आहरित कुल वेतन ..... रुपये
- और उसमें उपर्युक्त (2) के अनुसार कुल
- महंगाई भत्ता जोड़कर निकाली गयी कुल राशि

(4) जिस माह में कर्मचारी सेवानिवृत्त हुआ है ..... रुपये  
 उसके सहित अर्हक सेवा के पिछले 10 माह  
 के दौरान माह/माहों के संशोधित वेतनमानों के  
 अनुसार आहरित कुल वेतन

(5) स्तंभ (3) और (4) का जोड़ ..... रुपये

(6) पेंशन के प्रयोजन के लिए औसत परिलब्धियों ..... रुपये  
 अर्थात् उपर्युक्त (5) के अनुसार कुल जोड़

10

(7) अद्यतन की गई मूल पेंशन उपर्युक्त (6) का ..... रुपये  
 50% अर्हक सेवा के वर्षों की संख्या  
 (अधिकतम 33 वर्ष)

33

(8) मूल पेंशन (अगले अधिक रुपये तक पूर्णांकित) ..... रुपये

(ग) जो अधिकारी जुलाई, 1993 की पहली तारीख की अथवा उसके बाद परंतु नवंबर, 1994 की पहली तारीख से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं उनके विशेष भत्तों की जो राशि अधिकारी सेवा विनियमावली के अनुसार सेवानिवृत्ति के समय वास्तव में आहरित विशेष भत्तों के बराबर होगी उसकी पहली नवंबर, 1994 से लागू अतिरिक्त पेंशन का हिसाब लगाने के प्रयोजन के लिए संगणना की जाएगी।

परंतु यह शर्त है कि नवंबर 1992 की पहली तारीख अथवा सेवानिवृत्ति की तारीख में से जो भी बाद में आती हो उससे अवतूर, 1994 की 31 तारीख तक की विशेष भत्ते की जो राशि भविष्य निधि की संशोधित की गई दरों से पहले की दरों से हकदार होगी उसकी अतिरिक्त पेंशन का हिसाब लगाने के प्रयोजन के लिए संगणना की जाएगी।

## परिशिष्ट-II

### ( विनियम 36 देखिये )

जो अधिकारी जनवरी, 1986 की पहली तारीख को या उसके बाद परंतु जुलाई 1993 की पहली तारीख से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं उनकी मूल पेंशन संबंधी महंगाई राहत नीचे लिखे अनुसार होगी :

(1) औद्योगिक कामगार की श्रृंखला 1960 = 100 के अखिल भारतीय उपभोक्ता सूचकांक की तिमाही औसत के 600 अंकों में प्रत्येक 4 अंकों की यथास्थिति वृद्धि अथवा गिरावट के लिए महंगाई भत्ता देय होगा अथवा वसूल किये जाने योग्य होगा। महंगाई राहत की प्रत्येक उक्त चार अंकों की वृद्धि या गिरावट का हिसाब नीचे दी गई विधि से लगाया जाएगा।

मासिक मूल पेंशन का मान	मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में महंगाई-राहत की दर
(1)	(2)
(i) 1,250 रु. तक	0.67 प्रतिशत
(ii) 1,251 रु. से 2,000 रु. तक	1,250 रु. का 0.67 प्रतिशत और उसमें 1,250 रु. से अधिक की मूल पेंशन का 0.55 प्रतिशत जोड़कर
(iii) 2,001 रु. से 2,130 रु. तक	1,250 रु. का 0.67 प्रतिशत और उसमें 2,000 रु. तथा 1,250 रु. के बीच के अंतर का 0.55 एवं 2,000 से अधिक की मूल पेंशन का 0.33 प्रतिशत जोड़कर।
(iv) 2,130 रु. से अधिक	1,250 रु. का 0.67 प्रतिशत और उसमें 2,000 रु. तथा 1,250 रु. के बीच के अंतर का 0.55% एवं 2,130 रु. तथा 2,000 रु. के बीच के अंतर का 0.33 प्रतिशत और 2,130 रु. से अधिक की मूल पेंशन का 0.17 प्रतिशत जोड़कर।

- (2) 1 जुलाई, 1993 को या उसके बाद सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों के मामले में महँगाई राहत औद्योगिक कामगार श्रृंखला 1960 - 100 के अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता त्रैमासिक मूल्य सूचकांक के 1148 अंकों में, प्रत्येक 4 अंक की, यथास्थिति, प्रत्येक वृद्धि के लिए देय होगी अथवा उसमें होने वाली प्रत्येक 4 अंक गिरावट के लिए वसूल किये जाने योग्य होगी। महँगाई राहत का प्रत्येक उक्त चार अंकों का ऐसी वृद्धि या गिरावट का हिसाब नीचे दी गई विधि से लगाया जाएगा।

मासिक मूल पेंशन का मान	मूल पेंशन के प्रतिशत के रूप में महँगाई-राहत की दर
(1)	(2)
(i) 2,400/- रु. तक	0.35 प्रतिशत
(ii) 2,401/- रु. से 3,850/- रु. तक	2,400 रु. का 0.35 प्रतिशत और उसमें 2,400 रु. से अधिक की मूल पेंशन का 0.29 प्रतिशत जोड़कर
(iii) 3,851/- रु. 4,100/- रु. तक	2,400 रु. का 0.35 प्रतिशत और उसमें 3,850 रु. और 2,400 रु. के बीच के अंतर का 0.29 प्रतिशत तथा 3,850 रु. से अधिक की मूल पेंशन का 0.17 प्रतिशत जोड़कर।
(iv) 4,100/- रु. से अधिक	2,400 रु. का 0.35 प्रतिशत और उसमें 3,850 रु. तथा 2,400 रु. के अंतर का 0.29% एवं 4,100 रु. और 3,850 रु. के अंतर का 0.17 प्रतिशत और 4,100 रु. से अधिक की मूल पेंशन का 0.9 प्रतिशत जोड़कर।

(3) महँगाई राहत पिछले वर्ष के अक्तूबर, नवम्बर, और दिसंबर के महीनों की प्रकाशित सूचकांक के आंकड़ों के त्रैमासिक औसत से 1 फरवरी की प्रारंभ होने वाली और 31 जुलाई को समाप्त होने वाली छमाही के लिए देय होगी तथा वह उसी वर्ष के अप्रैल, मई और जून महीनों के प्रकाशित सूचकांक आंकड़ों के त्रैमासिक औसत से 1 अगस्त से प्रारंभ होने वाली और 31 जनवरी को समाप्त होने वाली छमाही के लिए देय होगी।

(4) पारिवारिक पेंशन, अशक्तता पेंशन, और अनुकंपा-भत्ता के मामले में महँगाई राहत उपर्युक्त दरों के अनुसार देय होगी।

(5) महँगाई राहत पूरी मूल पेंशन के लिये उसके सारांशीकरण के बाद भी दिये जाने की अनुमति होगी।

(6) महँगाई राहत अतिरिक्त पेंशन पर देय नहीं होगी।

(7) जिस पेंशनर की मूल पेंशन न्यूनतम पेंशन से कम है परंतु मूल पेंशन और अतिरिक्त पेंशन का सकल जोड़ न्यूनतम पेंशन से अधिक है वह न्यूनतम पेंशन पर यथा लागू महँगाई राहत आहरित करेगा।

परिशिष्ट-III

## ( विनियम 38 देखिये )

पारिवारिक पेंशन की सामान्य दरें नीचे लिखे अनुसार होंगी :

- (क) 01-07-1993 से पहले सेवानिवृत्ति अधिकारियों के लिए

मासिक वेतनमान	मासिक पारिवारिक पेंशन की राशी
(1)	(2)
1,500 रुपये तक	मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 30 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 30 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए हिसाब में लिये जाते हैं परंतु जिनको महँगाई भत्ते के लिए नहीं गिना जाता। मूल पेंशन और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का सकल जोड़ 375 रुपये मासिक से कम नहीं होगा।
1,500 रुपये से 3,000 रुपये तक	मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 20 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 20 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गिने जाते हैं परंतु महँगाई भत्ते के लिए नहीं गिने जाते। मूल और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का जोड़ 450 रुपये मासिक से कम नहीं होगा।

3,000 रुपये से अधिक

मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 15 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 15 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गिने जाते हैं परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिने जाते। मूल और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का जोड़ 600 रुपये मासिक से कम नहीं होगा और 1,250 रुपये मासिक से अधिक नहीं होगा।

(ख) 01-07-1993 को सेवानिवृत्त अथवा उसके बाद सेवानिवृत्ति होने वाले कर्मचारियों के लिए

मासिक वेतनमान

मासिक पारिवारिक पेंशन की राशी

(1)

(2)

2,870 रुपये तक

मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 30 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 30 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गिने जाते हैं परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिने जाते। मूल पेंशन और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का सकल जोड़ न्यूनतम 720 रुपये मासिक के अधीन होगा।

2,871 रुपये से

मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 20 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे 5,740 रुपये तक भत्तों का 20 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गिने जाते हैं परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिने जाते। मूल और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का सकल जोड़ न्यूनतम 860 रुपये मासिक के अधीन होगा।

5,740 रुपये से अधिक

मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 15 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 15 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए गिने जाते हैं परंतु महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिने जाते। मूल और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का सकल जोड़ न्यूनतम 1,150 रुपये मासिक और अधिकतम 2,400 रुपये मासिक के अधीन होगा।

टिप्पणियाँ :

- (1) अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन पर महंगाई राहत देय नहीं है।
- (2) उपर्युक्त पारिवारिक पेंशन का हिसाब लगाने के प्रयोजन के लिए वेतनमान विनियम (2) के उप खंड (ह) में पारिभाषित वेतन और विनियम 35 के उप विनियम (3) के स्पष्टीकरण यथा पारिभाषित 'भत्तों' का सकल जोड़ होगा।
- (3) यदि मूल पारिवारिक पेंशन और अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का सकल जोड़ न्यूनतम पेंशन से कम होता है तो पेंशनर को न्यूनतम पारिवारिक पेंशन दी जा सकती है और उसे इस न्यूनतम पारिवारिक पेंशन पर महंगाई राहत अदा की जा सकती है। परंतु न्यूनतम पारिवारिक पेंशन से अधिक और उसके ऊपर कोई अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन अदा नहीं की जाएगी।

### पारिवारिक पेंशन

जो कर्मचारी 1 जनवरी, 1986 को अथवा उसके बाद बैंक की सेवा में थे और जो सेवा में रहते हुए 30 अक्टूबर से पहले मृत हो गये थे अथवा जो 31 अक्टूबर, 1987 को या उससे पहले सेवानिवृत्त हो गये थे। परंतु उसके बाद मृत हुए थे। उनकी मूल पारिवारिक पेंशन अथवा अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन की संगणना करने का सूत्र नीचे लिखे अनुसार होगा :

#### (1) मूल पारिवारिक पेंशन

- |   |             |
|---|-------------|
| (अ) मृत्यु/सेवानिवृत्ति के समय मृत कर्मचारी द्वारा आहरित वेतन                 | ..... रुपये |
| (आ) नीचे दी गयी सारणी के अनुसार सामान्य दर से लगाई गयी मूलभूत पारिवारिक पेंशन | ..... रुपये |



- (इ) उपर्युक्त (आ) के अनुसार हिसाब लगाई गई मूल पारिवारिक पेंशन पर परिशिष्ट II की सारणी I के अनुसार औद्योगिक कामगारों की श्रृंखला 1960-100 के अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल सूचांकांक के 600 अंक पर महंगाई राहत ..... रुपये
- (ई) अद्यतन की गयी मूल पारिवारिक पेंशन अर्थात् (आ) + (इ) ..... रुपये
- (उ) न्यूनतम 375.00 रुपये सहित उपर्युक्त (ई) के अनुसार अद्यतन की गयी मूल पारिवारिक पेंशन (जिसे अगले अधिक रुपये तक पूर्णांकित किया गया हो) ..... रुपये
- (ऊ) उपर्युक्त (ई) में अद्यतन की गयी मूल पारिवारिक पेंशन की, यथास्थिति, डेढ़ गुनी अथवा दुगुनी अद्यतन की गयी पारिवारिक पेंशन (जिसे अगले अधिक रुपये तक पूर्णांकित किया गया हो) ..... रुपये

**(2) अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन**

अधिकारी सेवा विनियमावली के अनुसार भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए स्थान पाने वाली राशि की जो सीमा सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु से पहले आहरित विशेष भत्तों के बराबर है उस तक के विशेष भत्ते अतिरिक्त पारिवारिक प्रयोजन के लिए गिने जाएंगे।

**टिप्पणी :**

- (1) अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन पर महंगाई राहत देय नहीं है।
- (2) यदि मूल पारिवारिक पेंशन और अद्यतन की गयी अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन का सकल जोड़ अद्यतन की गयी न्यूनतम पारिवारिक पेंशन से कम होता है तो पेंशनर को अद्यतन की गयी न्यूनतम पारिवारिक पेंशन दी जा सकती है और उसे इस न्यूनतम अद्यतन की गयी पारिवारिक पेंशन पर महंगाई राहत अदा की जा सकती है। अद्यतन की गयी अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन अद्यतन की गयी न्यूनतम पारिवारिक पेंशन से अधिक और उसके ऊपर देय होगी।

**सारणी**

वेतन की सीमा	पारिवारिक पेंशन की राशि
(1)	(2)
664 रुपये से कम	मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 30 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 30 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए हिसाब में लिये जाते हैं परंतु जिनको महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिना जाता तथा यह जोड़ न्यूनतम 100 रुपये और अधिकतम 166 रुपये होगा।
664 रुपये और इससे अधिक परंतु 1,992 रुपये से कम	मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 15 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 15 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए हिसाब में लिये जाते हैं परंतु जिनको महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिना जाता तथा यह जोड़ न्यूनतम 166 रुपये और अधिकतम 266 रुपये होगा।
1,992 रुपये और इससे अधिक	मूल पारिवारिक पेंशन 'वेतन' का 12 प्रतिशत होगी और उसमें ऐसे भत्तों का 12 प्रतिशत जोड़कर अतिरिक्त पारिवारिक पेंशन होगी जो भविष्य निधि में अंशदान करने के लिए हिसाब में लिये जाते हैं परंतु जिनको महंगाई भत्ते के लिए नहीं गिना जाता तथा यह जोड़ न्यूनतम 266 रुपये और अधिकतम 415 रुपये होगा।

**EXPORT-IMPORT BANK OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 8th September, 2000

**No. EXIM/PENSION/2000.**—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (2) of section 39 read with sub-section (3) of section 27 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Board of Directors of Export-Import Bank of India with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :

**CHAPTER I**  
**PRELIMINARY**

**1. Short title and commencement**

- (1) These regulations may be called the Export-Import Bank of India (Employee's) Pension Regulations, 2000;
- (2) Save as otherwise expressly provided in these regulations, they shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

**2. Definitions**

In these Regulations, unless the context otherwise requires :

- (a) 'Act' means the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981) ;
- (b) 'Actuary' shall have the meaning assigned to it in clause (1) of section 2 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938) ,
- (c) 'Appendix' means, an Appendix annexed to these regulations;
- (d) 'average emoluments' means the average of pay drawn by an employee during the last ten months of his service in the Bank ;
- (e) 'Bank' means Export-Import Bank of India ;
- (f) 'Board' means the Board of Directors of the Bank ;
- (g) 'Child' means a child of the Employee, who, if a son, is under twenty-five years of age and if a daughter, is unmarried and is under twenty-five years of age and the expression 'children' shall be construed accordingly;
- (h) 'Competent Authority' means Chairman and Managing Director of the Bank or any other authority that may be designated by the Board for the purposes of these regulations ;
- (i) 'Conduct, Discipline and Appeal Regulations' means the Export-Import Bank Officers' Conduct, Discipline and Appeal Regulations, 1983 ;
- (j) 'Contribution' means any sum credited by the Bank on behalf of an employee to the Fund, but shall not include any sum credited as interest ;
- (k) 'Date of retirement' means the last date of the month in which an employee attains the age of superannuation or the date on which he is retired by the Bank or the date on which the employee voluntarily retires or the date on which an employee is deemed to have retired;
- (l) 'deemed to have retired' means cessation from service of the Bank on appointment by Central Government as a whole-time Director or Managing Director or Chairman in the Bank or in any other bank specified in column 2 of the First Schedule of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970)/1980 (40 of 1980) or in any public financial institution or State Bank of India established under the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955) ;
- (m) 'Employee' means any person employed in the service of the Bank on full time work on permanent basis and who opts and is governed by these regulations but does not include a person employed either on contract basis or on daily-wage basis ;
- (n) 'Family' in relation to an employee means,—(a) wife in the case of a male employee or husband in the case of a female employee; (b) a judicially separated wife or husband, such separation not being granted on the ground of adultery and the person surviving was not held guilty of committing adultery; and (c) son who has not attained the age of twenty-five years and unmarried daughter who has not attained the age of twenty-five years; including such son or daughter adopted legally ;
- (o) 'Financial year' means a year commencing on the 1st day of April ;

- (p) 'Fund' means the Export-Import Bank of India (Employees') Pension Fund constituted under regulation 5 ;
- (q) 'Notified date' means the date on which these regulations are published in the Official Gazette ;
- (r) 'Pay' includes,—
  - (i) the basic pay including stagnation increments, if any; and
  - (ii) all allowances counted for the purpose of making contribution to the Provident Fund and for the payment of dearness allowance ;
  - (iii) increment component of fixed personal allowance, if any; and
  - (iv) dearness allowance calculated upto Index number 1148 points in the All India Average Consumer Price Index for Industrial workers in the series 1960 = 100;
- (s) 'Pension' includes the basic pension and additional pension referred to in Chapter VI of these regulations;
- (t) 'Pensioner' means an employee eligible for pension under these regulations;
- (u) 'Provident Fund' means the Export-Import Bank of India Provident Fund;
- (v) 'Public Financial Institution' means a financial institution regarded as a public financial institution for the purposes of section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) ;
- (w) 'Qualifying Service' means the service rendered while on duty or otherwise which shall be taken into account for the purpose of pension under these regulations;
- (x) 'Retired' includes deemed to have retired under clause (1);
- (y) 'Retirement' means cessation from Bank's service,—
  - (a) on attaining the age of superannuation specified in Service Regulations or Service Conditions;
  - (b) on voluntary retirement in accordance with provisions contained in regulation 28 of these regulations;
  - (c) on premature retirement by the Bank before attaining the age of superannuation specified in the Service Regulations or Service Conditions;
- (z) 'Service Conditions' means the terms and conditions of service laid down in the appointment letters given to non-officer employees of the Bank and modified thereafter from time to time;
- (za) 'Service Regulations' means the Export-Import Bank officers' Service Regulations, 1982, made under section 39 read with section 27 of the Act;
- (zb) 'Trust' means the trust of the Export-Import Bank of India (Employees') Pension Fund constituted under sub-regulation (1) of regulation 5;
- (zc) 'Trustee' means the trustees of the Export-Import Bank of India (Employees') Pension Fund constituted under sub-regulation (1) of regulation 5;
- (zd) 'Trustee of the Provident Fund' means the trustees of the Provident Fund of the Bank.
- (ze) All other words and expressions used in these regulations but not defined, and defined in the Act or the Service Regulations/Service conditions shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act or the Service Regulations/Service conditions as the case may be.

## CHAPTER II

### APPLICATION AND ELIGIBILITY

#### Application

These Regulations shall apply to employees who,—

- (1)(a) were in the service of the Bank on or after the 1st day of January, 1986 but had retired before the notified date; and
- (b) exercise an option in writing within one hundred and twenty days from the notified date to become member of the Fund; and
- (c) refund within sixty days after the expiry of the said period of one hundred and twenty days specified in clause (b), the entire amount of the Bank's contribution to the Provident Fund including interest accrued thereon together with a further simple interest at the rate of six per cent per annum on the said amount from the date of settlement of the Provident Fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank; or

- (2) (a) arc in the service of the Bank before the notified date and continue to be in the service of the bank on or after the notified date; and
  - (b) exercise an option in writing within one hundred and twenty days from the notified date to become member of the Fund; and
  - (c) authorise the trust of the Provident Fund of the Bank to transfer the entire contribution of the Bank alongwith the interest accrued thereon to the credit of the Fund constituted for the purpose under regulation 5; or
- (3) join the service of the Bank on or after the notified date; or
- (4) were in the service of the Bank during any time on or after the first day of January, 1986 and had died while in service or after retirement before the notified date in which case their family shall be entitled to the pension or the family pension as the case may be under these regulations, if the family of the deceased,—
  - (a) exercise an option in writing within one hundred and twenty days from the notified date to become member of the Fund; and
  - (b) refund within sixty days of the expiry of the said period of one hundred and twenty days specified in clause (a) above the entire amount of the Bank's contribution to the Provident Fund and interest accrued thereon together with a further simple interest at the rate of six per cent per annum from the date of settlement of the Provident Fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank.

**4. Option to subscribe to the Provident Fund**

- (1) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (4) of regulation 3, an employee who joins the service of the Bank on or after the notified date at the age of thirty-five years or more, may, within a period of ninety days from the date of his appointment, elect to forego his right to pension, whereupon, these regulations shall not apply to him.
- (2) The option referred to in sub-regulation (1) of regulation 3, once exercised, shall be final.

### CHAPTER III THE FUND

**5. Constitution of the Fund**

- (1) The Bank shall constitute a Fund to be called the "Export-Import Bank of India (Employees') Pension Fund" under an irrevocable trust within one hundred twenty days from the notified date.
- (2) The Fund shall have for its sole purpose the provision of the payment of pension or family pension in accordance with these regulations to the employee or his family.
- (3) The Bank shall be a contributor to the Fund and shall ensure that sufficient sums are placed in it to enable the trustees to make due payments to beneficiaries under these regulations.

**6. Liability of the Provident Fund Trust**

The Provident Fund trust shall, immediately after the constitution of the Fund, transfer to the Export-Import Bank of India (Employees') Fund, the accumulated balance of the contribution of the Bank to the Provident Fund and interest accrued thereon upto the date of such transfer in respect of every employee governed by these regulations.

**7. Composition of the Fund**

The Fund shall consist of the following, namely—

- (a) the contribution by the Bank at the rate of ten per cent per month of the pay of the employee.
- (b) the accumulated contributions of the Bank to the Provident Fund and interest accrued thereon upto the date of such transfer in respect of the employees including the amount of Provident Fund and interest thereon (employer's contribution) received from the previous employer and deposited with the Provident Fund Trust of the Bank by the employees, in case he has been absorbed in the bank's service from the Industrial Development Bank of India or any other public sector bank or institution;
- (c) the amount consisting of contributions of the Bank alongwith interest refunded by the employees who had retired before the notified date but who opt for pension in accordance with the provisions contained in these regulations;
- (d) the investment in annuities or securities purchased out of the moneys of the Fund and interest thereon;

- (e) amount of any capital gains arising from sale of the capital assets of the Fund,
- (f) the additional annual contribution made by the Bank in accordance with the provisions contained in regulation 11 of these regulations;
- (g) any income from investments of the amounts credited to the Fund;
- (h) the amount consisting of contribution of the Bank alongwith interest refunded by the family of the deceased employee who opted for family pension in accordance with the provisions contained in these regulations

**8. Board of Trustees**

- (1) The Board of trustees shall consist of such number of persons not less than three and not more than nine, as may be determined by the Board, to be appointed by the Bank.
- (2) The power to appoint the trustees shall be vested with the Bank and all such appointments shall be made in writing.
- (3) The Bank shall nominate one of the trustees to be the Chairman of the Board of trustees. The Bank shall also nominate a trustee to be an alternate Chairman who shall act as Chairman in the absence of the Chairman.

**9. Trustees to carry out the directions of the Bank**

The trustees shall comply with all such directions as may be given by the Bank for the proper functioning of the Fund.

**10. Books of accounts of the Fund**

- (1) The accounts of the Fund shall contain the particulars of all financial transactions relating to the Fund in such form as may be specified by the Bank
- (2) Within one hundred and eighty days from the closing of each financial year, the trust shall prepare a financial statement of the trust indicating therein the general account of assets and liabilities of the trust and forward a copy of the same to the Bank.
- (3) The accounts of the Fund shall be audited in accordance with the provisions of section 24 of the Act.

**11. Actuarial investigation of the Fund**

The Bank shall cause an investigation to be made by an actuary into the financial condition of the Fund every financial year, on the 31st day of March, and make such additional annual contributions to the Fund as may be required to secure payment of the benefits under these regulations:

Provided that the Bank shall cause an investigation to be made by an actuary into the financial condition of the Fund, as on the 31st day of March immediately following the financial year in which the Fund is constituted.

**12. Investment of the Fund**

All moneys contributed to the Fund or received or accruing after that date by way of interest or otherwise to the Fund, may be deposited in a Post Office Savings Bank Account in India or in a current account with any scheduled bank or utilised in accordance with the provisions of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882).

**13. Payment out of the Fund**

The payment of benefits by the trust shall be administered for grant of pensionary benefits to the employees of the Bank or the family pension to the families of the deceased employees of the Bank.

## CHAPTER IV QUALIFYING SERVICE

**14. Qualifying Service**

Subject to the other conditions contained in these regulations, an employee who has rendered a minimum of ten years of service in the Bank on the date of retirement or the date on which he is deemed to have retired, shall qualify for pension.

**15. Commencement of Qualifying Service**

Subject to the provisions contained in these regulations, qualifying service of an employee shall commence from the date he takes charge of the post to which he is first appointed on a permanent basis :

Provided, however, that in the case of an employee who has been absorbed in the Bank's service from the Industrial Development Bank of India ("Development Bank") or any other public sector institution or public sector bank approved by the Chairman and Managing Director, the qualifying service of such employee shall commence from the date on which he joined the services of the Development Bank or such other public sector institution or public sector bank, as the case may be, on a permanent basis :

Provided further that at the time of absorption the amount of Provident Fund (both employer's and employee's) and interest thereon received from previous employer was deposited with the Provident Fund Trust of the Exim Bank.

**16. Counting of service on probation.**—Service on probation against a post in the Bank if followed by confirmation in the same or any other post shall qualify.

**17. Counting of periods spent on leave.**—All leave during service in the Bank for which leave salary is payable shall count as qualifying service :

Provided that extraordinary leave on loss of pay shall not count as qualifying service except when the sanctioning authority has directed that such leave not exceeding twelve months during the entire service may count as service for all purposes including pension.

**18. Broken period of service of less than one year.**—If the period of service of an employee includes broken period of service less than one year, then if such broken period is more than six months, it shall be treated as one year and if such broken period is six months or less it shall be ignored :

Provided that provisions of this regulation shall not be applied for determining the minimum service required to make an employee eligible for pension.

**19. Counting of period spent on training.**—Period spent by an employee on training in the Bank immediately before his appointment shall count as qualifying service.

**20. Counting of past service—in the erstwhile Bank.**—In the case of an employee who is permanently transferred to a service in the Bank from any other bank on merger or amalgamation of such other bank with the Bank to which these regulations apply, the continuous service rendered by such an employee in any other bank on permanent basis, if any, followed without interruption, by permanent appointment, or the continuous service rendered under that bank in a permanent capacity, as the case may be, shall qualify :

Provided that nothing contained in this regulation shall apply to any such employee who is appointed on contract basis or on daily wage basis.

**21. Period of suspension.**—Period of suspension of an employee pending enquiry shall count for qualifying service, where on conclusion of such enquiry, he has been fully exonerated or the suspension is held to be wholly unjustified, and in other cases, the period of suspension shall not count as qualifying service unless the Competent Authority passing the orders under the Service Regulations or Conduct, Discipline & Appeal, Regulations or Service Conditions governing such cases, expressly declares at the time that it shall count to such extent as such authority may declare.

**22. Forfeiture of service.**—(1) Resignation or dismissal or removal or termination of an employee from the service of the Bank shall entail forfeiture of his entire past service and consequently shall not qualify for pensionary benefits.

(2) An interruption in the service of an employee entails forfeiture of his past service, except in the following cases, namely :—

- (a) authorised leave of absence;
- (b) suspension, where it is immediately followed by reinstatement, where in the same or a different post, or where the employee dies or is permitted to retire or is retired on attaining the age of compulsory retirement while under suspension;
- (c) Transfer to non-qualifying service in an establishment under the control of the Government or the Bank if such transfer has been ordered by a competent authority in the public interest;
- (d) joining time while on transfer from one post to another.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (2), the appointing authority may, by order, commute retrospectively the periods of absence without leave as extraordinary leave.

(4) (a) In the absence of a specific indication to the contrary in the service record, an interruption between two spells of service rendered by an employee shall be treated as automatically condoned and the pre-interruption service treated as qualifying service;

(b) Nothing in clause (a) shall apply to interruption caused by resignation, dismissal or removal from service.

**23. Period of deputation to foreign service.**—An employee deputed on foreign service to the United Nations or any other foreign body or organisation may at his option—

- (a) pay pension contribution in respect of his foreign service and count such service as qualifying service under these regulations; or
- (b) avail of the retirement benefits admissible under the rules of the foreign employer and not count such service as qualifying service under these regulations :

Provided that where an employee opts for clause (b), retirement benefits shall be payable to him in India in rupees from such date and in such manner as the Bank, may by order specify.

**24. Military Service.**—An employee who has rendered military service before appointment in the Bank shall continue to draw the military pension, if any, and military service rendered by the employee shall not count as qualifying service for pension.

**25. Period of deputation to an organisation in India.**—Period of deputation of an employee to another organisation in India will count as qualifying service :

Provided the organisation to which he is deputed or the employee pays to the Bank the pensionary contribution at the rates specified in sub-regulation (a) of regulation 7 of these regulations or at the rates specified by the Bank at the time of deputation, whichever is higher, to the Bank.

**26. Addition to Qualifying Service in Special Circumstances.**—An employee shall be eligible to add to his service qualifying for superannuation pension (but not for any other class of pension) the actual period not exceeding one-fourth of the length of his service or the actual period by which his age at the time of recruitment exceeded the upper age limit specified by the Bank for direct recruitment or a period of five years, whichever is less, if the service or post to which the employee is appointed is one—

- (a) for which post-graduate research or specialised qualification or experience in scientific, technological or professional fields, is essential; and
- (b) to which candidates of age exceeding the upper age limit specified for direct recruitment are normally recruited; and
- (c) for which the candidate was given age relaxation over and above the maximum age limit fixed by the Bank on account of his possessing higher qualification or experience :

Provided that this concession shall not be admissible to an employee unless his actual qualifying service at the time he quits the service from the Bank is not less than ten years :

Provided further that this concession shall be admissible if the recruitment rules in respect of the said service or post contain specific provision that the service or post is one which carries benefit of this regulation :

Provided also that the recruitment rules in respect of any service or post which carries the benefit of this regulation shall be made with the approval of the Central Government.

## CHAPTER V

### CLASSES OF PENSION

**27. Superannuation Pension.**—Superannuation pension shall be granted to an employee who has retired on his attaining the age of superannuation specified in the Service Regulations or Service conditions.

**28. Pension on Voluntary Retirement.**—(1) An employee, at any time, after he has completed twenty years of qualifying service, after giving notice of not less than three months in writing to the appointing authority, may retire from service :

Provided that this sub-regulation shall not apply to an employee who is on deputation or on study leave abroad unless after having been transferred or having returned to India he has been resumed charge of the post in India and has served for a period of not less than one year :

Provided further that this sub-regulations shall not apply to an employee who seeks retirement from service for being absorbed permanently in an autonomous body or a public sector undertaking or company or institution or body, whether incorporated or not to which he is on deputation at the time of seeking voluntary retirement :

Provided also that this sub-regulation shall not apply to an employee who is deemed to have retired in accordance with clause (1) of regulation 2.

(2) The notice of voluntary retirement given under sub-regulation (1) shall require acceptance by the appointing authority :

Provided that where the appointing authority does not refuse to grant the permission for retirement before the expiry of the period specified in the said notice, the retirement shall become effective from the date of expiry of the said period.

(3) (a) An employee referred to in sub-regulation (1) may make a request in writing to the appointing authority to accept notice of voluntary retirement of less than three months giving reasons therefor;

(b) on receipt of a request under clause (a), the appointing authority may, subject to the provisions of sub-regulation (2), consider such request for the curtailment of the period of notice of three months on merits and if it is satisfied that the curtailment of the period of notice will not cause any administrative inconvenience, the appointing authority may relax the requirement of notice of three months on the condition that the employee shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the notice of three months.

(4) An employee, who has elected to retire under this regulation and has given necessary notice to that effect to the appointing authority, shall be precluded from withdrawing his notice except with the specific approval of such authority :

Provided that the request for such withdrawal shall be made before the intended date of his retirement.

(5) The qualifying service of an employee retiring voluntarily under this regulation shall be increased by a period not exceeding five years subject to the condition that the total qualifying service rendered by such employee shall not in any case exceed thirty three years and it does not take him beyond the date of superannuation.

(6) The pension of an employee retiring under this regulation shall be based on the average emoluments as defined under clause (d) of regulation 2 of these regulations and the increase, not exceeding five years in his qualifying service, shall not entitle him to any notional fixation of pay for the purpose of calculating his pension.

**29. Invalid Pension.**—(1) Invalid pension may be granted to an employee who,—

- (a) has rendered minimum ten years of service; and
- (b) retires from the service on or after the notified date on account of any bodily or mental infirmity which permanently incapacitates him for the service.

(2) An employee applying for an invalid pension shall submit a medical certificate of incapacity from a medical officer approved by the Bank.

(3) Where the medical officer approved by the Bank has declared the employee fit for further service of less laborious character than that which he had been doing, he may, provided he is willing to be so employed, be employed on lower post and if there be no means of employing him even on a lower post, he may be admitted to invalid pension.

(4) No medical certificate of incapacity for service may be granted unless the applicant produces a letter to show that the Competent Authority is aware of the intension of the applicant to appear before the Medical Officer approved by the Bank.

(5) The medical officer approved by the Bank shall also be supplied by the Competent Authority, in which the applicant is employed, with a statement of what appears from official records to be the age of the applicant.

**30. Compassionate Allowance.**—

(1) An employee who is dismissed or removed or terminated from service, shall forfeit his pension:

Provided that the authority higher than the authority competent to dismiss or remove or terminate him from service, may if

- (i) such dismissal, removal or termination is on or after the notified date; and
- (ii) the case is deserving of special consideration,

sanction a compassionate allowance not exceeding two-thirds (2/3) of the pension which would have been otherwise admissible to him on the basis of qualifying service rendered up to the date of his dismissal, removal or termination.

(2) The compassionate allowance sanctioned under proviso to sub-regulation (1) shall not be less than the amount of minimum pension payable under regulation 35 of these regulations.



**31. Premature Retirement Pension.—**

Premature Retirement Pension may be granted to an employee who—

- (a) has rendered minimum ten years of service;
- (b) retires from service on account of orders of the Bank to retire prematurely in the public interest or for any other reason specified in the Service Regulations or Service Conditions, if otherwise he was entitled to such pension on superannuation on that date.

**32. Compulsory Retirement Pension.—**

- (1) An employee compulsorily retired from service as a penalty on or after the notified date in terms of Conduct, Discipline & Appeal, Regulations or Service Conditions may be granted pension by the authority higher than the authority competent to impose such penalty, at a rate not less than two-thirds and not more than full pension admissible to him on the date of his compulsory retirement if otherwise he was entitled to such pension on superannuation on that date.
- (2) Whenever in the case of an employee the Competent Authority passes an order (whether original, appellate or in exercise of power of review) awarding a pension less than the full compensation pension admissible under these regulations, the Board shall be consulted before such order is passed.
- (3) A pension granted or awarded under sub-regulation (1) or, as the case may be, under sub-regulation (2), shall not be less than the amount of rupees seven hundred and twenty per mensem.

**33. Payment of pension or family pension in respect of employees who retired or died between 1st January, 1986 and the notified date.—**

- (1) Employees who have retired from the service of the Bank between the 1st day of January, 1986 and the notified date shall be eligible for pension with effect from the notified date only.
- (2) The family of a deceased employee governed by the provisions contained in sub-regulation (4) of regulation 3 shall be eligible for family pension with effect from the notified date.

**CHAPTER VI****RATE OF PENSION****34. Amount of pension.—**

- (1) In respect of employees who retired between the 1st day of January, 1986 and the notified date, basic pension and additional pension will be updated as per the formula given in Appendix-I.
- (2) In the case of an employee retiring in accordance with the provisions of the Service Regulations or Service conditions after completing a qualifying service of not less than thirty-three years, the amount of basic pension shall be calculated at fifty per cent of the average emoluments.
- (3) (a) Additional pension shall be fifty per cent of the average amount of the allowances drawn by an employee during the last ten months of his service;
- (b) no dearness relief shall be paid on the amount of additional pension.

Explanation.—For the purpose of this sub-regulation, “allowances” means allowances which are admissible to the extent counted for making contributions to Provident Fund.

- (4) Pension as computed being aggregate of sub-regulations (2) and (3) above shall be subject to the minimum pension as specified in these regulations.
- (5) An employee who has commuted the admissible portion of his pension as per the provisions of regulation 40 of these regulations shall receive only the balance of pension monthly.
- (6) (a) In the case of an employee retiring before completing a qualifying service of thirty-three years, but after completing a qualifying service of ten years, the amount of pension shall be proportionate to the amount of pension admissible under sub-regulations (2) and (3) and in no case the amount of pension shall be less than the amount of minimum pension specified in these regulations.
- (b) Notwithstanding anything contained in these regulations, the amount of invalid pension shall not be less than the ordinary rate of family pension which would have been payable to his family in the event of his death while in service.

- (7) The amount of pension finally determined under this regulation shall be expressed in whole rupee and where the pension contains a fraction of a rupee, it shall be rounded off to the next higher rupee.

**35. Minimum pension.—**

The minimum amount of pension shall be rupees seven hundred and twenty per month.

**36. Dearness Relief.—**

- (1) Dearness relief shall be granted on basic pension or family pension or invalid pension or on compassionate allowance in accordance with the rates specified in Appendix II.
- (2) Dearness relief shall be allowed on full basic pension even after commutation.

**37. Determination of the period of ten months for average emoluments.—**

- (1) The period of the preceding ten months for the purpose of average emoluments shall be reckoned from the date of retirement.
- (2) In the case of voluntary retirement or premature retirement the period of the preceding ten months for the purpose of average emoluments shall be reckoned from the date on which the employee voluntarily retires or is prematurely retired by the Bank.
- (3) In the case of dismissal or removal or compulsory retirement or termination of service, the period of the preceding ten months for the purpose of average emoluments shall be reckoned from the date on which the employee is dismissed or removed or compulsorily retired or his service is terminated by the Bank.

(4) If during the last ten months of the service an employee had been absent from duty on extraordinary leave on loss of pay or had been under suspension and the period whereof does not count as service, the aforesaid period of extraordinary leave or suspension shall not be taken into account in the calculation of the average emoluments and an equal period before the ten months shall be included.

## CHAPTER VII

### FAMILY PENSION

**38. Family Pension.—** (1) Without prejudice to the provisions contained in these regulations, where an employee dies :

- (a) after completion of one year of continuous service; or
- (b) before completion of one year of continuous service provided the deceased employee concerned immediately prior to his appointment to the service or post was examined by the medical officer approved by the Bank and declared fit for employment in the Bank; or
- (c) after retirement from service and was on the date of death in receipt of a pension, or compassionate allowance; the family of the deceased shall be entitled to family pension, the amount of which shall be determined in accordance with Appendix III.

(2) The amount of family pension shall be fixed at monthly rates and be expressed in whole rupees and where the family pension contains a fraction of a rupee, it shall be rounded off to the next higher rupee :

Provided that in no case a family pension in excess of the maximum prescribed under these regulations shall be allowed.

- (3)(a) (i) where an employee, who is not governed by the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923), dies while in service after having rendered not less than seven years' continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to fifty per cent of the pay last drawn or twice the family pension admissible under sub-regulation (1), whichever is less, and the amount so admissible shall be payable from the date following the date of death of the employee for a period of 7 years or for a period up to the date on which the deceased employee would have attained the age of sixty-five years had he survived, whichever is less;
- (ii) in the event of death of an employee after retirement, the family pension as determined under clause (a) (i) of this sub-regulation shall be payable for period of seven years or for a period up to the date on which the retired deceased employee would have attained the age of sixty-five years, had he survived, whichever is less;

- (b) (i) where an employee, who is governed by the workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923), dies while in service after having rendered not less than seven years' continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to fifty per cent of the pay last drawn or one and half times the family pension admissible under sub-regulation (1), whichever is less;
- (ii) the family pension so determined under sub-clause (i) shall be payable for the period mentioned in clause (a);
- (c) after the expiry of the period referred to in clause (a), the family, in receipt of family pension under that clause or clause (b) shall be entitled to family pension at the rate admissible under sub-regulation (1).

(4) Notwithstanding anything contained in these regulations where the family of a deceased employee opts for pension in accordance with sub-regulation (4) of regulation 3 such family of the deceased shall be eligible for family pension under these regulations.

**39. Period of payment of family pension.**—The period for which family pension is payable shall be :

- (a) in the case of a widow or a widower, up to the date of death or remarriage, whichever is earlier ;
- (b) in the case of a son, until he attains the age of twenty-five years ; and
- (c) in the case of an unmarried daughter, until she attains the age of twenty-five years or until she gets married, whichever is earlier :

Provided that if the son or daughter of an employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of twenty-five years, the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely :—

- (i) if such son or daughter is one among two or more children of the employee, the family pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in clause (e) of sub-regulation (1) until the last minor child attains the age of twenty-five years, and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him or her for life;
- (ii) if there are more than one such children suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the order of their birth and the younger of them will get the family pension only after the elder next above him or her ceases to be eligible :

Provided that where the family pension is payable to such twin children, it shall be paid in the manner set out in clause (f) of sub-regulation (1) ;

- (iii) the family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor except in the case of the physically crippled son or daughter who has attained the age of majority ;
- (iv) before allowing the family pension for life to any such son or daughter, the Competent Authority shall satisfy that the handicap is of such a nature as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a medical officer approved by the Bank setting out, as far as possible, the exact mental or physical condition of the child ;
- (v) the person receiving the family pension as guardian of such son or daughter or such son or daughter not receiving the family pension through a guardian shall produce every three years a certificate from a medical officer approved by the Bank to the effect that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continues to be physically crippled or disabled.

Explanation.— The grant of family pension to disabled children beyond the age limit specified in this regulation is subject to the following conditions, namely :—

- (i) a daughter shall become ineligible for family pension under this sub-regulation from the date she gets married ;
- (ii) the family pension payable to such son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his or her livelihood. In such cases, it shall be the duty of the guardian or son or daughter to furnish a certificate to the Bank every month that—

- (A) he or she has not started earning his or her livelihood ;
- (B) in case of daughter, that she has not yet married ;
- (d) if a deceased employee or pensioner leaves behind a widow or widower, the family pension shall become payable to the widow or widower, failing which to the eligible child ;
- (c) family pension to the children shall be payable in the order of their birth and the younger of them shall not be eligible for family pension unless the elder next above him or her has become ineligible for the grant of family pension :

Provided that where the family pension is payable to twin children, it shall be paid in the manner set out in clause (f) of the sub-regulation (1) ;

- (f) where the family pension is payable to twin children, it shall be paid to such children in equal shares:

Provided that where one such child ceases to be eligible, his or her share shall revert to the other child and where both of them cease to be eligible, the family pension shall be payable to the next eligible single child or twin children, as the case may be;

(2) Where the deceased employee or a pensioner leaves behind more children than one, the eldest eligible child shall be entitled to the family pension for the period mentioned in clauses (b) or (c) of sub-regulation (1) as the case may be, and after the expiry of that period, the next child shall become eligible for the grant of family pension.

(3) Where family pension is granted under this regulation to a minor, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

(4) In case both wife and husband are employees of the Bank and are governed by the provisions of this regulation and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the surviving husband or wife and in the event of death of the husband or wife, the surviving child or children shall be granted the two family pensions in respect of the deceased parents subject to the limits specified below, namely :—

- (a) if the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) and sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 38, the amount of both the family pensions shall be limited to four thousand eight hundred rupees per mensem only.
- (b) if one of the family pensions ceases to be payable at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) of sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 38 and in lieu thereof, the family pension at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 38 becomes payable, the amount of both the pensions shall also be limited to four thousand eight hundred rupees per mensem.
- (e) if both the family pensions are payable at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 38, the amount of the two pensions shall be limited to rupees two thousand four hundred per mensem. (5) (a) where family pension is payable to more widows than one, the family pension shall be paid to the widows in equal shares;
- (b) on the death of a widow, her share of the family pension shall become payable to her eligible child:  
Provided that if the widow is not survived by any child, her share of the family pension shall not lapse but shall be payable to the other widows in equal shares, or if there is only one such other widow, in full, to her;
- (c) where the deceased employee or pensioner is survived by a widow but has left behind eligible child or children from another wife who is not alive, the eligible child or children shall be entitled to the share of family pension which the mother would have received if she had been alive at the time of the death of the employee or pensioner :  
Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to a widow or widows ceasing to be payable, such share or shares shall not lapse, but shall be payable to the other widow or widows or to other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full to such widow or child;
- (d) where the family pension is payable to twin children, it shall be paid to such children in the manner specified in clause (f) of sub-regulation (1) above;

- (e) except as provided in this sub-regulation, the family pension shall not be payable to more than one member of the family at the same time.
- (6) Where a female employee or a male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow and no child or children, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the person surviving:  
  
Provided that where in a case the judicial separation is granted on the ground of adultery and the death of the employee takes place during the period of such judicial separation, the family pension shall not be payable to the person surviving if such person surviving was held guilty of committing adultery.
- (7)(a) where a female employee or a male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow with a child or children, the family pension payable in respect of the deceased shall be payable to the surviving person provided he or she is the guardian of such child or children;
- (b) where the surviving person has ceased to be the guardian of such child or children, such family pension shall be payable to the person who is the actual guardian of such child or children.
- (8) If the son or unmarried daughter eligible for the grant of family pension has attained the age of eighteen years, the family pension may be paid to such son or unmarried daughter directly.
- (9)(a) If a person, who in the event of death of an employee while in service, is eligible to receive family pension under these regulations, is charged with the offence of murdering the employee or for abetting in the commission of such an offence, the claim of such person, including other eligible member or members of the family to receive the family pension, shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against him.
- (b) if on conclusion of the criminal proceedings referred to in clause (a), the person concerned—
  - (i) is convicted for the murder or abetting in the murder of the employee, such a person shall be debarred from receiving the family pension which shall be payable to the other eligible member of the family, from the date of death of the employee;
  - (ii) is acquitted of the charge of murder or abetting in the murder of the employee, the family pension shall be payable to such person from the date of death of the employee;
- (c) the provisions of sub-clauses (a) and (b) shall also apply for the family pension becoming payable on the death of an employee after his retirement.

## CHAPTER VIII

### COMMUTATION

#### 40. Commutation

- (1) An employee shall be entitled to commute for a lump sum payment, a fraction not exceeding one-third of his pension:  
  
Provided that in respect of an employee who is governed by sub-regulation (4) of regulation 3 of these regulations, the family of such employee shall also be entitled to commute for a lump sum payment a fraction not exceeding one-third of the pension admissible to the employee.
- (2) An employee shall indicate the fraction of pension which he desires to commute and may either indicate the maximum limit of one third pension or such lower limit as he may desire to commute.
- (3) If fraction of pension to be commuted results in a fraction of rupee, such fraction of a rupee shall be ignored for the purpose of commutation.
- (4) The lump sum payable to an applicant shall be calculated in accordance with the Table given below :—

TABLE

Commutation values for a pension of Re. 1/- per annum

Age next birthday	Commutation value expressed as number of year's purchase	Age next birthday	Commutation value expressed as number of year's purchase
17	19.28	51	12.95
18	19.20	52	12.66
19	19.11	53	12.35
20	19.01	54	12.05
21	18.91	55	11.73
22	18.81	56	11.42
23	18.70	57	11.10
24	18.59	58	10.78
25	18.47	59	10.46
26	18.34	60	10.13
27	18.21	61	9.81
28	18.07	62	9.48
29	17.93	63	9.15
30	17.78	64	8.82
31	17.62	65	8.50
32	17.46	66	8.17
33	17.29	67	7.85
34	17.11	68	7.53
35	16.92	69	7.22
36	16.72	70	6.91
37	16.52	71	6.60
38	16.31	72	6.30
39	16.09	73	6.01
40	15.87	74	5.72
41	15.64	75	5.44
42	15.40	76	5.17
43	15.15	77	4.90
44	14.90	78	4.65
45	14.64	79	4.40
46	14.37	80	4.17
47	14.10	81	3.94
48	13.82	82	3.72
49	13.54	83	3.52
50	13.25	84	3.32
		85	3.13

**Notes :**

- (1) The Table above indicates the commuted value of pension expressed as number of years' purchase with reference to the age of the pensioner as on his next birthday. The commuted value in the case of an employee retiring at the age of fifty-eight years is 10.46 years' purchase and, therefore, if he commutes rupees one hundred from his pension within one year of retirement, the lumpsum amount payable to him works out to Rs.  $100 \times 10.46 \times 12 = \text{Rs. } 12,552/-$ .
- (2) An employee who had commuted the admissible portion of pension is entitled to have the commuted portion of the pension restored after the expiry of a period of fifteen years from the date of commutation.
- (3) An applicant who is authorised a superannuation pension, voluntary retirement pension, premature retirement pension, compulsory retirement pension, invalid pension or compassionate allowance shall be eligible to commute a fraction of his pension under these regulations.
- (4) In the case of a pensioner eligible for superannuation pension, or pension on voluntary retirement, or premature retirement pension, no medical examination shall be necessary, if the application for commutation is made within one year from the date of retirement. However, if such a pensioner applies for commutation of pension after one year from the date of his retirement, the same will be permitted subject to medical examination.

**Explanation.**—An applicant who—

- (i) retires on invalid pension under regulation 29 of these regulations; or
  - (ii) is in receipt of compassionate allowance under regulation 30 of these regulations; or
  - (iii) is compulsorily retired by the Bank and is eligible for compulsory retirement pension under regulation 32 shall be eligible to commute a fraction of his pension subject to the limit specified in sub-regulation (1) after he has been declared fit by a medical officer approved by the bank.
- (5) The commutation of pension shall become absolute in the case of an employee—
- (a) retiring on superannuation or voluntary retirement who submits an application for commutation of pension before the date of retirement, on the date following the date of retirement:  
  
Provided that the employee governed by sub-regulation (3) of regulation 28 shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the notice of three months and the commutation of pension shall become absolute only on the expiry of the period of notice referred to in sub-regulation (1) of regulation 28;
  - (b) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after the date of retirement but before the completion of one year from the date of retirement, on the date the application for commutation is received by the Competent Authority,
  - (c) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after one year from the date of retirement, on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank;
  - (d) who has retired prior to the notified date, and who opts to be governed by these regulations, on the notified date and where the application for commutation is made within the period specified by clause (b) of the sub-regulation (1) of regulation 3, Commutation shall become absolute on the date of medical certificate given by the medical officer approved by the Bank.
  - (e) in respect of whom invalid pension under regulation 29 or compassionate allowance under regulation 30 or compulsory retirement under regulation 32 is admissible, commutation shall become absolute on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank.

## Chapter IX

### GENERAL CONDITIONS

**41. Pension subject to future good conduct**—Future good conduct shall be an implied condition of every grant of pension and its continuance under these regulations.

**42. Withholding or withdrawal of pension**—The Competent Authority may, by order in writing, withhold or withdraw a pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period, if the pensioner is convicted of a serious crime or criminal breach of trust or forgery or acting fraudulently or is found guilty of grave misconduct :

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of such pension shall not be reduced below the minimum pension per mensem payable under these regulations.

**43. Conviction by Court**—Where a pensioner is convicted of a serious crime by a court of law, action shall be taken in the light of the judgement of the court relating to such conviction.

**44. Pensioner guilty of grave misconduct**—In a case not falling under regulation 43, if the Competent Authority considers that the pensioner is prima facie guilty of grave misconduct, it shall, before passing an order, follow the procedure specified in regulation 25 of the Conduct, Discipline and Appeal, Regulations or in the service Conditions, as the case may be.

**45. Provisional Pension**—(1) An employee who has retired on attaining the age of superannuation or otherwise and against whom any departmental or judicial proceedings are instituted, or where departmental proceedings are continued, a provisional pension, equal to the maximum pension which would have been admissible to him, would be allowed subject to adjustment against final retirement benefits sanctioned to him, upon conclusion of the proceedings, but no recovery shall be made where the pension finally sanctioned is less than the provisional pension or the pension is reduced or withheld either permanently or for a specified period.

(2) In such cases, the gratuity shall not be paid to such employee until the conclusion of the proceedings against him. The gratuity shall be paid to him on conclusion of the proceedings subject to the decision of the proceedings. Any recoveries to be made from an employee shall be adjusted against the amount of gratuity payable.

**Explanation** :—In this chapter—

- (a) the expression 'serious crime' includes a crime involving an offence under the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923);
- (b) the expression "grave misconduct" includes the communication or disclosure of any secret official code or password or any sketch, plan, model, article, note, document or information, such as is mentioned in section 5 of the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923) which was obtained while holding office in the Bank so as to prejudicially affect the interests of the general public or the security of the State;
- (c) the expression "fraudulently" shall have the meaning assigned to it under section 25 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860);
- (d) the expression "criminal breach of trust" shall have the meaning assigned to it under section 405 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860);
- (e) the expression "forgery" shall have the meaning assigned to it under section 463 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860).

**46. Commutation of Pension during departmental or judicial proceedings**—An employee against whom departmental or judicial proceedings have been instituted before the date of his retirement or a person against whom such proceedings are instituted after the date of his retirement shall not be eligible to commute a fraction of his provisional pension or pension, as the case may be authorised under these regulations during the pendency of such proceedings.

**47. Recovery of Pecuniary loss caused to the Bank**—(1) The Competent Authority may withhold or withdraw a pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period and order recovery from pension of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Bank if in any departmental or judicial proceedings, the pensioner is found guilty of grave misconduct or negligence or criminal breach of trust or forgery or acts done fraudulently during the period of his service:



Provided that the Board shall be consulted before any final orders are passed :

Provided further that departmental proceedings, if instituted while the employee was in service, shall after the retirement of the employee, be deemed to be proceedings under these regulations and shall be continued and concluded by the authority by which they were commenced in the same manner as if the employee had continued in service :

Provided also that no departmental or judicial proceedings, if not initiated while the employee was in service, shall be instituted in respect of a cause of action which arose or in respect of an event which took place more than four years before such institution.

(2) Where the Competent Authority orders recovery of pecuniary loss from the pension, the recovery shall not ordinary be made at a rate exceeding one-third of the pension admissible on the date of retirement of the employee :

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of pension drawn by a pensioner shall not be less than the minimum pension payable under these regulations.

**48. Recovery of Bank's dues—**The Bank shall be entitled to recover the dues to the Bank on account of housing loans, advances licence fees and other recoveries from the commutation value of the pension or the pension or the family pension.

**49. Commercial employment after retirement—**(1) If a pensioner who immediately before his retirement was holding the post of an officer and wishes to accept any commercial employment before the expiry of two years from the date of his retirement, he shall obtain the previous sanction of the Bank to such acceptance.

(2) Subject to the provision of sub-regulation (3), the Bank may, by order in writing, on the application by a pensioner, grant, subject to such conditions, if any, as it may deem necessary, permission or refuse, for reasons to be recorded in the order, permission to such pensioner to take up the commercial employment specified in the application.

(3) In granting or refusing permission under sub-regulation (2) to a pensioner for taking up any commercial employment, the Bank shall have regard to the following factors, namely :—

- (a) the nature of the employment proposed to be taken up and the antecedents of the employer;
- (b) whether his duties in the employment which he proposes to take up might be such as to bring him into conflict with the Bank;
- (c) whether the pensioner while in service had any such dealing with the employer under whom he proposes to seek employment as it might afford a reasonable basis for the suspicion that such pensioner had shown favours to such employer;
- (d) whether the duties of the commercial employment proposed involve liaison or contract work with the Bank;
- (e) whether his commercial duties will be such that his previous official position or knowledge or experience under the Bank could be used to give the proposed employer an unfair advantage;
- (f) the emoluments offered by the proposed employer; and
- (g) any other relevant factor.

(4) Where within a period of sixty days of the date of receipt of an application under sub-regulation (3), the Bank does not refuse to grant the permission applied for or does not communicate the refusal to the applicant, the Bank shall be deemed to have granted the permission applied for :

Provided that in any case where defective or insufficient information is furnished by the applicant and it becomes necessary for the bank to seek further clarifications or information from him, the period of sixty days shall be counted from the date on which the defects have been removed or complete information has been furnished by the applicant.

(5) Where the Bank grants the permission applied for subject to any conditions or refuses such permission, the applicant may, within thirty days of the receipt of the order of the Bank to that effect, make a representation against any such condition or refusal and the Bank may make such orders thereon as it deems fit :

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this sub-regulation without giving the pensioner making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

(6) If any pensioner takes up any commercial employment at any time before the expiry of two years from the date of his retirement without the prior permission of the Bank or commits a breach of any condition subject to which such permission to take up any commercial employment has been granted to him under this regulation, it shall be competent for the Bank to declare by order in writing and for reasons to be recorded therein that he shall not be entitled to the whole or such part of the pension and for such periods as may be specified in the order:

Provided that no such order shall be made without giving the pensioner concerned an opportunity of showing cause against such declaration:

Provided further that in making any order under this sub-regulation, the Bank shall have regard to the following factors, namely:—

- (i) the financial circumstances of the pensioner concerned;
- (ii) the nature of, and the emoluments from, the commercial employment taken up by the pensioner concerned; and
- (iii) any other relevant factor.

(7) Every order passed by the Bank under this regulation shall be communicated to the pensioner concerned.

(8) In this regulation, the expression “commercial employment” means—

- (i) an employment in any capacity including that of an agent, under a company (including a banking company), co-operative society, firm or individual engaged in trading, commercial, industrial, financial or professional business and includes also a directorship of such company (including a banking company) and partnership of such firm, but does not include employment under a body corporate, wholly or substantially owned or controlled by the Central Government or a State Government;
- (ii) setting up practice, either independently or as a partner of a firm, as adviser or consultant in matters in respect of which the pensioner—
  - (A) has no professional qualifications and the matters in respect of which the practice is to be set up or is carried on are relatable to his official knowledge or experience, or
  - (B) has professional qualifications but the matters in respect of which such practice is to be set up are such as are likely to give his clients an unfair advantage by reason of his previous official position, or
  - (C) has to undertake work involving liaison or contact with the offices or officers of the Bank.

**Explanation.**—For the purpose of this clause, the expression “employment under a co-operative society” includes the holding of any office, whether elective or otherwise, such as that of President, Chairman, Manager, Secretary, Treasurer and the like, by whatever name called in such society.

#### 50. Nomination

(1) The trust shall allow every employee governed by these regulations to make a nomination conferring on one or more persons the right to receive the amount of pensionary benefits under these regulations in the event of his death before that amount becomes payable or, having become payable, has not been paid. Such nomination shall be made in such form as may be specified by the Bank from time to time.

(2) If any employee nominates more than one person under sub-regulation (1), he shall, in his nomination, specify the amount or share payable to each of the nominees in such a manner as to cover the whole of the amount of the pensionary benefits that may be payable in the event of his death.

(3) A nomination made by an employee may, at any time, be modified or revoked by him after giving a written notice to the trust of his intention of doing so, in such form as the Bank may from time to time specify.

(4) A nomination or its revocation or its modification shall effect to the extent it is valid on the date on which it is received by the trust.

#### 51. Date from which pension becomes payable.—

(1) Except in the case of an employee to whom the provisions of regulation 42 and regulation 45 apply, a pension other than family pension shall become payable from the date following the date of on which an employee retires or notified date, whichever is later.

(2) Family pension shall become payable from the date following the date of death of the employee or the pensioner or notified date, whichever is later.

(3) Pension including family pension shall be payable for the day on which its recipient dies.

#### 52. Currency in which pension is payable

All pensions admissible under these regulations shall be payable in rupees in India only.

#### 53. Manner of payment of pension

A pension fixed at a monthly rate shall be payable monthly on or after the first day of the following month.

#### 54. Power to issue instructions

The Chairman and Managing Director of the Bank may from time to time issue instruction as may be considered necessary or expedient for the implementation of these regulations.

#### 55. Residuary Provisions

In case of doubt in the matter of application of these regulations, regard may be had to the corresponding provisions of the Central Civil Service Rules, 1972, or Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules 1981, applicable for Central Government employees with such exceptions and modifications as the Bank, with the previous sanction of the Central Government, may from time to time determine.

[No. ADVT/III/IV/65/2000 Exty]

R.M.V. RAMAN, General Manager

### Appendix-I

#### (See regulation 34)

(a) The formulae of updating basic pension and additional pension in respect of employees who retired during the period 01-01-1986 to 31-10-1987 shall be as under :

#### I. Retired during 1-1-1986 to 31-10-1987

A. (1) Basic pension shall be increased to an amount of,—

(a) 50 per cent of first Rs. 1000 of the average emoluments reckonable for pension. Rs. \_\_\_\_\_

(b) 45 per cent of next Rs. 500 Rs. \_\_\_\_\_

(c) 40 per cent of the average emoluments reckonable for pension exceeding Rs. 1500 Rs. \_\_\_\_\_

Total of (a+b+c) Rs. \_\_\_\_\_ (A)

B. 50 per cent of the average monthly emoluments for the last 10 months in service prior to retirement Rs. \_\_\_\_\_ (B)

C. Dearness Relief at index number 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100, on basic pension calculated at (1) above, as per Table given below. Rs. \_\_\_\_\_ (C)

D. Total increased basic pension  

$$= (B) + (C) \times \text{Number of years of qualifying service (Maximum 33 years)}$$
Rs. \_\_\_\_\_ (D)

33

E. Basic Pension as on 1-11-1993  
 (Rounded off to the next higher rupee) Rs. \_\_\_\_\_ (E)

(2) Special allowances to the extent of the amount ranking for making contributions to the Provident Fund in terms of the Officers' Service Regulations, as the case may be, corresponding to the special allowances drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of additional Pension.

## TABLE

**Rates of dearness relief worked out at index number 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100**

For officer cadre during the period 1-1-1986 to 31-10-1987 shall be as follows :—

- |  |   |
|--|---|
| (i) For those drawing basic pension upto Rs. 765 per month;                | 66 per cent of the amount of pension calculated as at A(1) Above subject to a maximum of Rs. 500    |
| (ii) For those drawing basic pension from Rs. 766/- to Rs. 1165 per month; | Rs. 500   |
| (iii) For those drawing basic pension of Rs. 1166 per month or above;      | 42.90 per cent of the amount of pension calculated as at A(1) above subject to a maximum of Rs. 715 |

II Retired on or after 1-7-1993 but before 1-5-1994

(b) The formula for updating basic pension in respect of officer cadre who have retired on or after 1st day of July, 1993 but before 1st day of May, 1994 shall be as under :—

- |   |           |
|---|-----------|
| (1) Total of pay drawn as per the old scales for the month/s during the last 10 months of qualifying service.   | Rs. _____ |
| (2) Total of dearness allowance actually drawn or dearness allowance at 1148 points, whichever is less, for each month of pay calculated at (1) above.                | Rs. _____ |
| (3) Total of pay drawn as per (1) above plus total of dearness allowance drawn as per (2) above.  | Rs. _____ |
| (4) Total of pay drawn as per revised scales of pay for the month/s during the last 10 months of qualifying service including the month in which the employee retired | Rs. _____ |
| (5) Total of columns (3) and (4)  | Rs. _____ |
| (6) Average emoluments for the purpose of pension, i.e. Total as per (5) above  | Rs. _____ |
| 10  |           |
| (7) Updated basic pension   | Rs. _____ |
| 50% of × Number of years (6) of qualifying above service (Max. 33 years)  |           |
| 33  |           |
| (8) Basic Pension (Rounded off to next higher rupee)  | Rs. _____ |

(c) In respect of officers who have retired on or after the 1st day of July, 1993 but before the 1st day of November, 1994 the amount of special allowances in terms of the Officers' Service Regulations, corresponding to the special allowances actually drawn at the time of retirement shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension w.e.f. 1st November, 1994.

Provided that for the period from 1st day of November, 1992 or from the date of retirement, whichever is later, till the 31st day of October, 1994 the amount of Special Allowance all ranking for provident fund at pre-revised rates shall be reckoned for the purpose of computation of additional pension.

**Appendix-II**

(See regulation 36)

Dearness relief on basic pension for officers retired on or after 1st day of January, 1986, but before the 1st day of July, 1993 shall be as under :—

- (1) Dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below :—

Scale of basic pension per month	The rate of dearness relief as a percentage of basic pension
(1)	(2)
(i) upto Rs. 1250	0.67 per cent.
(ii) Rs. 1251 to Rs. 2000	0.67 per cent of Rs. 1250 plus 0.55 per cent of basic pension in excess of Rs. 1250
(iii) Rs. 2001 to Rs. 2130	0.67 per cent of Rs. 1250 plus 0.55 per cent of the difference between Rs. 2000 and Rs. 1250 plus 0.33 per cent of basic pension in excess of Rs. 2000
(iv) Above Rs. 2130	0.67 per cent of Rs. 1250 plus 0.55 per cent of the difference between Rs. 2000 and Rs. 1250 plus 0.33 per cent of the difference between Rs. 2130 and Rs. 2000 plus 0.17 per cent of basic pension in excess of Rs. 2130.

- (2) In the case of officers retiring or after the 1st day of July, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 1148 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below :—

Scale of basic pension per month	The rate of dearness relief as a percentage of basic pension
(1)	(2)
(i) upto Rs. 2400	0.35 per cent.
(ii) Rs. 2401 to Rs. 3850	0.35 per cent of Rs. 2400 plus 0.29 per cent of basic pension in excess of Rs. 2400.
(iii) Rs. 3851 to Rs. 4100	0.35 per cent of Rs. 2400 plus 0.29 per cent of the difference between Rs. 3850 and Rs. 2400 plus 0.17 per cent of basic pension in excess of Rs. 3850.
(iv) Above Rs. 4100	0.35 per cent of Rs. 2400 plus 0.29 per cent of the difference between Rs. 3850 and Rs. 2400 plus 0.17 per cent of the difference between Rs. 4100 and Rs. 3850 plus 0.09 per cent of basic pension in excess of Rs. 4100.

- (3) Dearness relief shall be payable for the half year commencing from the 1st day of February and ending with 31st day of July on the quarterly average of the index figures published for the months of October, November and December of the previous year and for the half year commencing from the 1st day of August and ending with the 31st day of January on the quarterly average of the index figures published for the months of April, May and June of the same year.
- (4) In the case of family pension, invalid pension and compassionate allowance, dearness relief shall be payable in accordance with the rates mentioned above.
- (5) Dearness relief will be allowed on full basic pension even after commutation.
- (6) Dearness relief is not payable on additional pension.
- (7) Pensioner whose basic pension is less than minimum pension but the aggregate of basic pension and additional pension is more than the minimum pension shall draw dearness relief as applicable to minimum pension.

## Appendix-III

## (See Regulation 38)

The ordinary rates of family pension shall be as under :

(a) In respect of officers retired before 01.07.1993.

Scale of pay per month	Amount of monthly family pension
(1)	(2)
Upto Rs. 1500	30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 375 per month.
Rs. 1501 to Rs. 3000	20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 450 per month.
Above Rs. 3000	15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs. 600 per month and more than Rs. 1250 per month.

(b) In respect of officers retired or retiring on or after 1-7-1993

Scale of pay per month	Amount of monthly family pension
(1)	(2)
Upto Rs. 2870	30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs. 720 per month.
Rs. 2871 to Rs. 5740	20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs. 860 per month.
Above Rs. 5740	15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs. 1150 per month and a maximum of Rs. 2400 per month.

## Notes :

- (1) Dearness relief is not payable on additional family pension.
- (2) Scale of pay for the purpose of calculation of family pension as above shall be the aggregate of "pay" as defined in sub-clause (r) of regulation 2 and "allowances" as defined in the Explanation to sub-regulation (3) of regulation 35.
- (3) In case the aggregate of basic family pension and additional family pension falls short of minimum pension the pensioner may be given minimum family pension and dearness relief may be paid on such minimum family pension. However, no additional family pension shall be payable over and above the minimum family pension.

**FAMILY PENSION**

The formula of computing basic family pension and additional family pension in respect of employees who were in the service of the Bank on or after the 1st day of January, 1986 and had died while in service on or before the 31st day of October, 1987 or had retired on or before the 31st day of October, 1987 but died shall be as under :—

**(1) Basic Family Pension**

- (A) Pay drawn by the deceased employee at the time of death/retirement. Rs. \_\_\_\_\_
- (B) Basic family pension at the ordinary rate as per Table given below. Rs. \_\_\_\_\_
- (C) Dearness Relief at index 600 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100 as per Table I given in Appendix II on basic family pension calculated at (B) above. Rs. \_\_\_\_\_
- (D) updated basic family pension i.e. (B) + (C) Rs. \_\_\_\_\_
- (E) Updated basic family pension as per (D) above (rounded off to next higher rupee) with a minimum of Rs. 375.00 Rs. \_\_\_\_\_
- (F) Basic family pension at one and half times or twice the updated basic family pension as the case may be of (D) above (rounded off to next higher rupee) Rs. \_\_\_\_\_

**(2) Additional Family Pension**

Special allowance to the extend of the amount ranking for making contributions to the Provident Fund in terms of the Officers' Service Regulations corresponding to the special allowances drawn before retirement/death shall be reckoned for the purpose of additional family pension.

**Note :**

- (1) Dearness relief is not payable on additional family pension.
- (2) In case the aggregate of updated basic family pension and updated additional family pension falls short of updated minimum family pension, the pensioner may be given updated minimum family pension and dearness relief may be paid on such minimum updated family pension. No updated additional family pension shall be payable over and above the updated minimum family pension.

**Table**

Pay Range	Amount of family pension
(1)	(2)
Below Rs. 664	30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs. 100 and maximum of Rs. 166.

(1)	(2)
Rs. 664 and above but below Rs. 1992	15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs. 166 and maximum of Rs. 266.
Rs. 1992 and above	12 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 12 per cent of the allowances which counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension with a minimum of Rs. 266/- and maximum of Rs. 415.